सांध्य दैनिक 4PM

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_SanjayS | YouTube @4pm NEWS NETWORK

जिद...सच की

मूल्य ₹ 3/-

• वर्षः 11 • अंकः 202 पृष्ठः 8 • लखनऊ, शुक्रवार 29 अगस्त, 2025

सभी सफल लोग बड़े सपने देखने वाले होते हैं। वे सोचते हैं कि उनका भविष्य कैसा हो सकता है, हर तरह से आदर्श, और वे हर रोज अपने विजन, उस लक्ष्य या मकसद के लिए काम करते हैं।
–ब्रायन ट्रेसी

काशी रुद्र ने फिर दिखाया रौद्र... 7 | पंजाब में राशन कार्ड पर छिड़ी... 3 | जो विश्वास खो देते हैं, वो राज... 2

धुआं-धुआं महाराष्ट्र

मराठा आरक्षण की चिंगारी से राजनीतिक हड़कंप

- आजाद मैदान में एकत्र हुआ मराठा समाज, फूटा गुस्सा
- संजय राउत भी कूदे कहा- सभी को अधिकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। मराठा आरक्षण की मांग से महाराष्ट्र की राजनीति सुलग उठी है। आंदोलन के नेता मनोज जरांगे पाटिल 400 किलोमीटर की यात्रा कर अपने हजारों समर्थकों के साथ आजाद मैदान में डेरा जमा चुके हैं।

मुंबई में जगह–जगह जाम की स्थिती है और संशय के बाद मंडरा रहे हैं। विपक्षी नेता संजय राउत ने सरकार से संयम बरतने की मांग की है। मनोज जरांगे पाटिल आर-पार के मूड में आ गए हैं। जरांगे पाटिल ने कहा है कि जब तक हमारी माँगें पूरी नहीं हो जातीं हम मुंबई नहीं छोड़ेंगे।

चाहे गोलियां चलें हम पीछे नहीं हटेंगे

43 साल के जरांगे अन्य पिछड़ा वर्ग ओबीसी श्रेणी के तहत मराठों के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण की मांग कर रहे हैं। जरांगे ने आजाद मैदान पहुंचते ही तेवर बदल दिए हैं। उन्होंने कहा कि चाहे गोलियां भी चलें, हम पीछे नहीं हटेंगे। जरांगे आमरण अनशन पर बैठ गए हैं।

सरकार को संयम बरतने की अपील

शिवसेना यूबीटी के नेता एवं राज्यसभा सांसद संजय राउत ने जारंगे के आंदोलन को राजनीति से न जोड़ने की अपील की है और प्रदेश सरकार को संयम बरतने की नसीहत भी दी। उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए कहा है कि मुंबई महाराष्ट्र और मराठी लोगों की राजधानी है। महाराष्ट्र के कोने-कोने से मराठी लोग अपने हक के लिए मुंबई आए हैं। मुंबई की कानून और व्यवस्था बनाए रखना कोर्ट का काम नहीं है। अगर कोई इसे कोर्ट के भरोसे छोड़ रहा है तो यह गलत है। यह सरकार और राज्य के गृह विभाग का काम है। खासकर मुख्यमंत्री की जिम्मेदारी है।

गणेश उत्सव के चलते प्रशासन हलकान

मनोज जारंगे पाटिल ने कहा है कि उनके समर्थक शांतिपूर्ण तरीके से विरोध प्रदर्शन करेंगे और चल रहे गणेश उत्सव में बाधा नहीं डालेंगे। वह मांग कर रहे हैं कि सभी मराठों को कुनबी के रूप में मान्यता दी जाए जो ओबीसी श्रेणी में शामिल एक कृषि प्रधान जाति है। जिससे वे सरकारी नौकरियों और शिक्षा में आरक्षण के पात्र बनेंगे। पुलिस ने जरांग और उनके समर्थकों पर 40 शर्तें लागू करने के बाद उन्हें मार्च जारी रखने की अनुमति दी थी। इन शर्तों में उन्हें कानून-व्यवस्था की किसी भी स्थिति से बचने वाहनों की आवाजाही में बाधा न डालने और आपत्तिजनक नारे लगाने से बचने का निर्देश दिया गया है।

जारंगे 10 फीसदी आरक्षण की कर रहे हैं मांग

जरांगे पाटिल के मुंबई पहुंचे से दक्षिण के कई हिस्सों में ट्रैफिक की समस्या खड़ी हो गई है। कुछ दिन पहले मनोज जरांगे पाटिल जालना स्थित अपने गांव से सैकड़ों वाहनों के साथ मुंबई के लिए निकले थे। आज सुबह वह मुंबई के आजाद मैदान पहुंचे हैं। मुंबई पहुंचने से पहले जरांगे पाटिल का कई जगह पर स्वागत किया गया। उनके स्वागत में सबसे ज्यादा भीड़ वाशी में देखने को मिली। जरांगे पाटिल के आजाद मैदान पहुंचते ही वहां पर बड़ा जनसमूह भी उमड़ा है। जारंगे अपने समर्थकों के साथ मुंबई से 400 किलोमीटर दूर अंतरवाली सरती गांव से फिर से भूख हड़ताल शुरू करने के लिए निकले हैं।

जारंगे के कंधों पर राजनीतिक बंदूक!

गौरतलब है कि उनके आंदोलन पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री फडणवीस ने अप्रत्यक्ष रूप से कहा है कि कोई जरांगे पाटिल के कंधे पर बंदूक रखकर राजनीति कर रहा है। इस पर शिवसेना यूबीटी के नेता संजय राउत ने कहा है कि एक समाज अगर अपनी न्यायिक मांग को लेकर महाराष्ट्र की राजधानी में आया है तो इसमें राजनीति क्या दिख रही है? जब भी आप सत्ता में आए हैं आपने इस आरक्षण मुद्दे को हवा दी है और इसका राजनीतिक लाभ उठाया है। मिस्टर फडणवीस अगर आज कोई जरांगे पाटिल के कंधे पर बंदूक रखकर राजनीति कर रहा है तो आप बताइए कि वह कौन है? वह आपकी सरकार में है या विपक्ष में है या क्या वह आपकी कैबिनेट का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि मुंबई में इतनी बड़ी संख्या में मराठी लोग आ रहे हैं हम उनका स्वागत करते हैं क्योंकि पिछले कुछ समय से मुंबई में मराठी आवाज कमजोर हो रही है। अगर इस समय मराठी लोग अपने अधिकारों के लिए एकजुट होकर आ रहे हैं तो मुंबई के दुश्मनों को यह ताकत दिखनी चाहिए।

शुक्रवार को पूरे देश की सियासत में उबाल!

- पटना से लेकर लखनऊ तक बवाल
- राहुल बोले -सत्य कभी दब नहीं सकता है
- पीएम के विदेश दौरे पर कांग्रेस का तंज
- कांग्रेस दफ्तर में घुसे बीजेपी कार्यकर्ता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बिहार में भाजपा का कांग्रेस के खिलाफ प्रदर्शन

नई दिल्ली। शुक्रवार को देश में सियासत चरम पर रही। जहां कांग्रेस ने पीएम नरेन्द्र मोदी की विदेश यात्रा को लेकर उन पर प्रहार किया है।

वहीं भाजपा ने बिहार में एक रैली के मंच से पीएम मोदी को गाली देने का वीडियो वायरल होने के बाद कांग्रेस के खिलाफ पटना में बवाल मचा दिया। बवाल इतना मचा कि भाजपा व कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के बीच लाठियां तक चल गईं। वहीं यूपी में संभल मामले में आई रिपोर्ट के बाद हिंदुवादी संगठनों पूरे प्रदेश में प्रदर्शन किया। वंही मुस्लिम संगठनों ने भी इसे खारिज कर दिया। इन सबके बीच आरएसएस चीफ द्वारा इस्लाम के पक्ष में दिए गए बयान का मुस्लिम नेताओं ने स्वागत किया है। उधर पटना में हो रहे बवाल के बाद नेता प्रतिपक्ष व कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि सत्य कभी असत्य के आगे झुकता नहीं है। हम हिंसा का जवाब अहिंसा से नहीं देते हैं।

पीएम ने हिंसा प्रभावित पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर से अपने हाथ खींच लिए : जयराम रमेश

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जापान यात्रा और आगामी चीन यात्रा पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने हिंसा प्रभावित पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर से अपने हाथ खींच लिए हैं। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में, रमेश ने कहा कि प्रधानमंत्री विभिन्न देशों की यात्रा करते रहे, लेकिन मणिपुर के लंबे समय से पीड़ित लोग अपने जख्मों पर मरहम लगाने के लिए उनकी यात्रा का इंतजार कर रहे थे, जिसे प्रधानमंत्री ने सीधे और हठपूर्वक अस्वीकार कर दिया था। अपने पोस्ट में आगे, कांग्रेस नेता ने यह भी कहा कि भारत को चीन के साथ अपने संबंधों को सामान्य करने के लिए मजबूर किया जा रहा है।

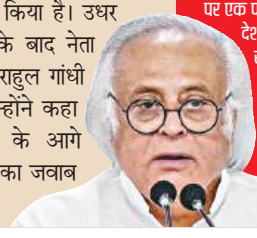

जो विश्वास खो देते हैं, वो राज खो देते हैं: अखिलेश

» 75 साल में रिटायरमेंट पर संघ प्रमुख के बयान के बाद बोले सपा प्रमुख

» कहा- अपनी बारी आई तो नियम बदल दिये

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत द्वारा रिटायरमेंट की उम्र संबंधी सवाल पर दिए गए जवाब पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने प्रतिक्रि या दी है। सपा चीफ ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर बिना किसी का नाम लिखे प्रतिक्रिया दी। उन्होंने लिखा कि न रिटायर होऊंगा, न होने दूँगा। जब अपनी बारी आई तो नियम बदल दिये, ये दोहरापन अच्छा नहीं।

अपनी बात से पलटनेवालों पर पराया तो क्या, कोई अपना भी विश्वास नहीं करता है। जो विश्वास खो देते हैं, वो राज खो देते है। बता दें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने गुरुवार को 100 वर्ष की संघ यात्रा- नए क्षितिज के दौरान सेवानिवृत्ति के मानदंडों पर चल रहे विवादों पर बात की।

भागवत ने दृढ़ता से कहा कि उन्होंने कभी भी किसी के, चाहे वह खुद हों या कोई राजनीतिक हस्ती, 75 साल की उम्र में रिटायर होने की वकालत नहीं की.उनका यह बयान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, जो अगले महीने 75 साल के हो रहे हैं, पर निशाना साधते हुए की गई पिछली टिप्पणियों को लेकर छिड़ी बहस के बीच आया है. उन्होंने अपनी बात को स्पष्ट करने के लिए पूर्व आरएसएस नेता मोरोपंत पिंगले के एक उदाहरण का हवाला दिया।

भाजपा लोकतंत्र और संविधान के लिए खतरा

पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि 2027 का विधानसभा चुनाव उत्तर प्रदेश के भविष्य का चुनाव है। भाजपा लोकतंत्र और संविधान के लिए खतरा है। लोकतंत्र के खिलाफ भाजपा की साजिश से सावधान रहना है। लोकतंत्र तभी सुरक्षित रहेगा, जब भाजपा सत्ता से बाहर जाएगी। अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी को हर बूथ पर बीएलए बनाना है। बीएलए लिस्ट पर कार्यकर्ता कार्य करते रहें। बूथ पर काम करते रहना है। बूथ को मजबूत करना है। पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं को बहुत काम करना होगा। वोट बनवाना, वोट बचाना, वोट पड़वाना और वोट गिनवाना हर काम में सक्रिय रूप से शामिल होना होगा।

भाजपा सरकार में भ्रष्टाचार की पराकाष्ठा

अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार में भ्रष्टाचार की पराकाष्ठा है। हर विभाग, हर कार्य में भ्रष्टाचार हो रहा है। प्रदेश में अवैध प्लाटिंग का धंधा जोरो पर है। भाजपा के लोग गरीबों की जमीन, तालाब और अन्य सरकारी जमीनों पर अवैध कब्जा कर रहे है। भाजपा भूमाफिया पार्टी बन गयी है। प्रदेश में कानून-व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है। कानून-व्यवस्था पर जीरों टालरेंस का दावा जीरो हो चुका है। भाजपाई और उनके साथी सहयोगी कानून व्यवस्था की धज्जियां उड़ा रहे है। लोगों के साथ अन्याय कर रहे है। भाजपा सरकार में किसी को न्याय नहीं मिल रहा है। लोग अन्याय, अत्याचार से त्रस्त है। प्रदेश में दर्जनों जिलों के सैकड़ों गांव बाढ़ से घिरे है। बड़ी आबादी बाढ़ की विभिषिका झेल रही है लेकिन उसे कोई मदद नहीं मिल रही है।

सामाजिक न्याय के राज की स्थापना के लिए समाजवादी पार्टी की सरकार जरूरी

अखिलेश यादव ने कहा कि आबादी के हिसाब से आरक्षण, जातीय जनगणना और सामाजिक न्याय के राज की स्थापना के लिए समाजवादी पार्टी की सरकार जरूरी है। समाजवादी सरकार बनने पर सभी को न्याय और सम्मान मिलेगा। प्रदेश में विकास का मार्ग प्रशस्त होगा। किसानों को उनकी फसलों की सही कीमत मिलेगी और नौजवानों को नौकरी और रोजगार मिलेगा।

जब तक मैं हूं, किसी को भी छीनने नहीं दूंगी लोगों का मताधिकार: ममता बनर्जी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस छात्र परिषद के स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए पार्टी प्रमुख और पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने कहा कि बांग्लादेश के विभाजन के दौरान, लोगों की भाषा बांग्ला थी, इसीलिए वे बांग्ला में बात करते हैं। भाजपा मतदाता सूची से नाम हटाने के लिए 500 सदस्यीय टीम लाकर सर्वेक्षण कर रही है। अपने दस्तावेज़ उनके साथ साझा न करें। क्योंकि वे आपके दस्तावेज़ एकत्र करने और मतदाता सूची से आपके नाम हटाने की योजना बना रहे हैं। बस आधार कार्ड ले जाएं क्योंकि यह एक अनिवार्य आईडी प्रूफ है।

बनर्जी ने आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग राज्य सरकार के अधिकारियों को धमका रहा है। उन्होंने दावा किया कि निर्वाचन आयोग हमारे अधिकारियों को धमका रहा है। इसका (आयोग का) अधिकार क्षेत्र केवल चुनाव के दौरान के तीन महीनों तक है, पूरे साल नहीं। बनर्जी ने आरोप लगाया कि भाजपा स्वतंत्रता आंदोलन में बंगालियों द्वारा निभायी गयी भूमिका को भुलाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा, ''अगर बांग्ला ही नहीं है, तो राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत किस में लिखे गए हैं? वे चाहते हैं कि लोग स्वतंत्रता आंदोलन में बंगालियों द्वारा निभाई गई ऐतिहासिक भूमिका को भुला दें। हम इस भाषाई आतंक को बर्दाश्त नहीं करेंगे। मता बनर्जी ने कहा कि वह किसी को भी लोगों का मताधिकार छीनने नहीं देंगी।

पार्टी सांसद अभिषेक बनर्जी ने कहा कि पहले हम देखते थे कि हर कोई वोट देकर अपने प्रतिनिधियों को चुनकर सत्ता में आता था। लेकिन आज हम देखते हैं कि मौजूदा सरकार अपने हितों की रक्षा के लिए अपने मतदाताओं को चुन रही है। पहले लोग सरकार चुनते थे, अब सरकार लोगों को चुन रही है (जिन्हें वोट देने की अनुमति होगी)। क्या बंगाल इसके खिलाफ लड़ेगा या नहीं?

बंगालियों पर भाषाई आतंक फैला रही बीजेपी

उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर आरोप लगाया कि वह बंगालियों पर भाषाई आतंक फैला रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि हम महिलाओं के लिए 'लक्ष्मी भंडार' योजना लेकर आए हैं, जबकि भाजपा के पास 'भ्रष्टाचार भंडार' और भाई-भतीजावाद है। वे देश को लूट रहे हैं, जबकि हम महिलाओं को सशक्त बना रहे हैं। तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ने मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा)-नीत वाम दल पर भी निशाना साधा और आरोप लगाया कि वह (वाम दल) उनसे मुकाबला करने के लिए भाजपा से हाथ मिला रहा है।

130वें संविधान संशोधन विधेयक के पीछे बड़ी साजिश: हेमंत सोरेन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने 130वें संविधान संशोधन विधेयक को लेकर केंद्र की भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला और कहा कि इसके पीछे बड़ा छिपा हुआ एजेंडा है। सोरेन ने कहा कि उन्हें समझ में नहीं आ रहा है कि यह विधेयक, जिसमें 30 दिन या उससे अधिक की सजा मिलने पर मंत्रियों को उनके पद से हटाने का प्रावधान है, आखिर संसद में क्यों लाया गया।

उन्होंने विधानसभा के मानसून सत्र के अंतिम दिन कहा कि संविधान संशोधन विधेयक के पीछे बड़ा छिपा हुआ एजेंडा है, जिसे हम समझ नहीं पा रहे हैं। लेकिन यह बात आगे चलकर स्पष्ट हो जाएगी। उन्होंने भाजपा सरकार पर आरोप लगाया कि उसने चुनाव आयोग की मदद से बिहार में लाखों मतदाताओं के नाम हटा दिए और जो लोग केंद्र और उसकी नीतियों का विरोध करते हैं, उन्हें ईडी, सीबीआई और आयकर विभाग जैसी एजेंसियों के जरिए झूठे मामलों में फंसाया जा रहा है।

वायनाड में थामारास्सेरी दर्रे पर यातायात बहाल हो: प्रियंका

» कांग्रेस सांसद ने नितिन गडकरी से किया अनुरोध

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से अनुरोध किया है कि वह थामारास्सेरी दर्रे पर यातायात को शीघ्र बहाल कराने की व्यवस्था करें, जो भारी भूस्खलन के कारण बाधित हो गया है।

पार्टी सूत्रों ने बताया कि प्रियंका गांधी ने एक पत्र में गडकरी से यह भी आग्रह किया है कि वायनाड में विशेषज्ञों की एक समिति तुरंत भेजी जाए, ताकि थामारास्सेरी दर्रे पर बार-बार होने वाले भूस्खलनों को रोकने के लिए आवश्यक उपायों का अध्ययन किया जा सके। यह दर्रा पहाड़ी जिले के लोगों का एकमात्र सहारा है।

कांग्रेस सांसद ने केंद्रीय मंत्री को बताया कि दर्रे पर यातायात अवरुद्ध होने से वायनाड के लोगों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि यह मार्ग कोझिकोड जिले से उन्हें जोड़ने वाला एकमात्र रास्ता है, जहां वे अपने स्वास्थ्य संबंधी ज़रूरतों के लिए जाते हैं। उन्होंने अपने पत्र में कहा कि 26 अगस्त को भी दर्रे पर भूस्खलन हुआ था, जिससे मार्ग पर यातायात बाधित हुआ। पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि इस क्षेत्र में और भूस्खलन होने की आशंका है, इसलिए एक विशेषज्ञ टीम को तुरंत वायनाड भेजा जाना चाहिए, ताकि राजमार्ग के उस हिस्से का निरीक्षण किया जा सके, जोखिम का मूल्यांकन किया जा सके और यात्रियों की सुरक्षा और कनेक्टिविटी सुनिश्चित की जा सके। सूत्रों के अनुसार, सांसद ने मंत्री से यह भी अनुरोध किया कि ऐसी परिस्थितियों के लिए एक वैकल्पिक मार्ग के निर्माण पर शीघ्र विचार किया जाए। भारी वर्षा के कारण ताजा भूस्खलनों के चलते बृहस्पतिवार को थामारास्सेरी दर्रा पूरी तरह से अवरुद्ध हो गया।

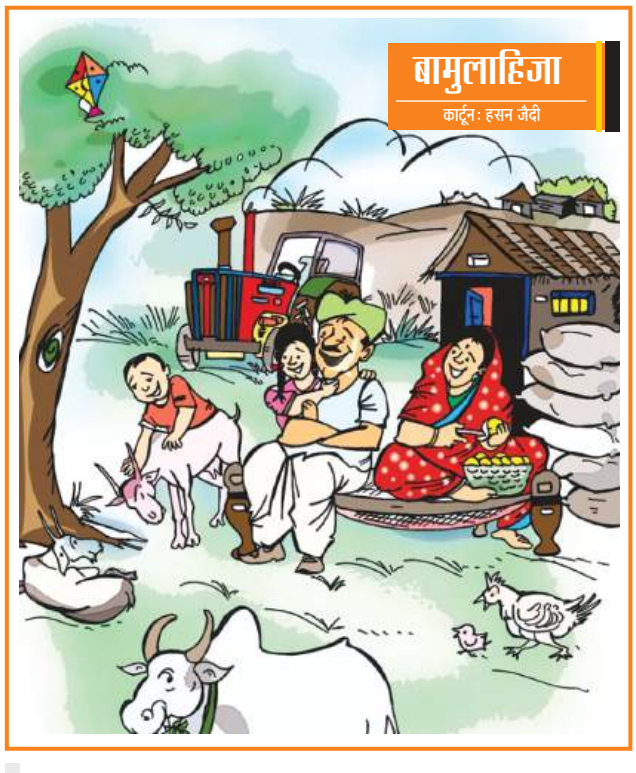

और करीब आ रहे हैं ठाकरे बंधु

» गणेश चतुर्थी के अवसर पर राज के घर पहुंचे उद्धव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। मुंबई नगर निगम चुनावों के लिए दोनों दलों के बीच गठबंधन की चर्चा के बीच, शिवसेना (यूबीटी) नेता उद्धव ठाकरे बुधवार को गणेश चतुर्थी के अवसर पर अपने चचेरे भाई और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे के आवास पर गए। नवंबर 2021 में राज ठाकरे के अपने नए आवास में आने के बाद से यह उनकी पहली यात्रा थी।

उद्धव ठाकरे की पत्नी रश्मि और उनके बेटे, पूर्व मंत्री आदित्य भी उनके साथ थे। राज ठाकरे पिछले महीने उद्धव ठाकरे को उनके जन्मदिन की बधाई देने उनके घर गए थे। दोनों ने जुलाई में महाराष्ट्र सरकार द्वारा प्राथमिक विद्यालयों में हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में अनिवार्य करने के अब रद्द कर दिए गए कदम के विरोध में मंच साझा किया था। निकाय चुनावों से पहले मराठी वोट बैंक को मज़बूत करने के लिए उनके बीच सुलह की खबरों के बाद, ठाकरे भाइयों को पहली बार एक साथ देखा गया था। शिवसेना (यूबीटी) के एक नेता ने बताया कि दोनों चचेरे भाई राज ठाकरे के आवास पर दोपहर के भोजन पर मिले और ज़ोर देकर कहा कि यह एक पारिवारिक मुलाक़ात थी।

उन्होंने कहा कि लेकिन स्थानीय निकाय चुनावों में हाथ मिलाने की बातचीत के बीच यह मुलाक़ात महत्वपूर्ण है। यह संभावना नहीं है कि उन्होंने राजनीति पर चर्चा की हो, लेकिन यह गठबंधन की दिशा में एक बड़ा कदम है।

पंजाब में राशन कार्ड पर छिड़ी रार

केंद्र पर मान सरकार के आरोप के बाद गरमाई राजनीति

» चुनावी मुद्दा बनेगा अन्न
» भाजपा ने सीएम मान पर ताने तीर
» केंद्र ने आरोपों को किया खारिज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडागढ़। पंजाब में विधानसभा चुनाव को अभी करीब डेढ़ साल बाकी है लेकिन यहां धीरे-धीरे सियासी माहौल बनने लगा है। केंद्र सरकार और आम आदमी पार्टी की पंजाब सरकार के बीच आए दिन कोई न कोई विवाद छिड़ जा रहा है। पहले आम आदमी क्लीनिक, ग्रामीण विकास फंड, भाखड़ा बांध में केंद्रीय बलों की तैनाती, केंद्रीय योजनाओं के लाभ के लिए भाजपा के कैंप और अब राशन कार्ड के मुद्दे ने केंद्र और पंजाब सरकार के बीच रार बढ़ा दी है। पंजाब में राशन कार्ड पर राजनीति नई नहीं है। 2022 में जब आम आदमी पार्टी की सरकार बनी थी तो खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री लाल चंद कटारूचक्क ने नीले कार्ड धारकों की जांच के आदेश दिए थे।

तीन करोड़ की आबादी में 1.50 करोड़ से ज्यादा लाभार्थी होने पर मंत्री ने कहा था कई संपन्न लोगों ने नीले कार्ड (राशन कार्ड) बनवा रखे हैं और वे केंद्र सरकार की ओर दी जा रही दो रुपये किलो गेहूं और 20 रुपये किलो दाल खरीद रहे हैं। अब एक बार फिर राशन कार्ड राजनीति के केंद्र में आ गए हैं। मुख्यमंत्री भगवंत मान का आरोप है कि केंद्र सरकार ने पंजाब में आठ लाख से ज्यादा राशन कार्ड काटने की साजिश रची है। इससे प्रदेश में 32 लाख लोगों को राशन नहीं मिल पाएगा। पहले भी 23 लाख लोगों को वंचित किया जा चुका है। कुल 55 लाख लोग इस सुविधा से महरूम हो जाएंगे। मान का कहना है कि केंद्र के राशन कार्ड काटने के मानदंड गलत हैं। उल्लेखनीय है कि राज्य में 1.53 करोड़ लाभार्थी हैं, जिन्हें राशन कार्ड से सस्ता अनाज मिलता है। केंद्र ने इनकी पड़ताल करने को कहा है। सीएम के अनुसार 1.29 करोड़ लाभार्थियों की वेरिफिकेशन की जा चुकी है। मुख्यमंत्री भगवंत मान के आरोपों को केंद्र सरकार ने पूरी तरह खारिज किया है। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने रविवार को कहा कि सीएम मान को सही तथ्य पेश करने चाहिए। केंद्र ने सिर्फ अयोग्य लाभार्थियों की पहचान करने के लिए कहा है। पंजाब सरकार अपना काम नहीं कर रही। जोशी के अनुसार लाभार्थियों की अनिवार्य ई केवाईसी का निर्देश सुप्रीम कोर्ट ने दिया है। केंद्र सरकार केवल राज्यों को इसे लागू करने के लिए कह रही है। पंजाब में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत 1.41 करोड़ लाभार्थी हैं। इस अधिनियम के अनुसार पात्र लाभार्थियों की पहचान करना राज्य सरकार की जिम्मेदारी है। इसमें केंद्र सरकार की कोई भूमिका नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि केंद्र सरकार ने मंजूर किए गए 1.41 करोड़ लाभार्थियों में से किसी को भी नहीं हटाया है।

वोट बैंक की कहानी

इस सारे विवाद के पीछे असली कहानी वोट बैंक की है। हर राशन कार्ड पर चार से पांच लोग जुड़े हुए हैं। डेढ़ करोड़ से ज्यादा लाभार्थियों की नाराजगी मोल लेने का मतलब है- चुनाव में सीधी मात। इसलिए केंद्र सरकार ने भी मान के आरोपों का जवाब देने में जरा भी देर नहीं की। वहीं, मान का कहना है कि भाजपा के लोग अब वोट चोरी के साथ-साथ राशन चोरी भी करने लगे हैं। पंजाब पूरे देश का पेट भरता है। पूरे देश को अधिकतर गेहूं की आपूर्ति हम करते हैं लिहाजा हमारे राशन कार्ड काटकर कोई भी पंजाबियों को भूखे मारने की सोच न रखे।

आप सरकार करवाएगी जांच : मुख्यमंत्री भगवंत मान

मुख्यमंत्री भगवंत मान का कहना है कि हम अपने विभाग से इन कार्डों की जांच करवाएंगे जिससे पता चल सके कि कोई ऐसा व्यक्ति तो नहीं है जिसका राशन कार्ड न बन सकता हो और बन गया हो। केंद्र सरकार कह रही है कि जिन लोगों के नाम काटे जा रहे हैं उनके पास कार, सरकारी नौकरी है, 25 लाख रुपये का टर्नओवर है। 2.5 एकड़ से ज्यादा जमीन है। अगर दो भाइयों का परिवार हो जिसमें एक भाई के नाम पर राशन कार्ड हो जो सरकारी नौकरी में हो लेकिन दूसरे भाई के पास आय का कोई स्रोत न हो तो क्या होगा? क्या उसका परिवार बिना खाने के रहेगा। यह हमारा राशन चुराने जैसा है।

डाटा पर भी केंद्र-पंजाब आमने-सामने

पंजाब की आप सरकार ने आरोप लगाया है कि भाजपा पंजाब में विशेष शिविर के नाम पर लोगों का डाटा चोरी कर रही है। यह भी एक बड़ी साजिश है, जिसके जरिये बाद में पंजाब के वोट काटे जाएंगे। हमें कई जिलों से ऐसी शिकायतें मिल रही हैं और हम कार्रवाई भी कर रहे हैं। भाजपा यह बताए इस बात की जिम्मेदारी कौन लेगा कि एकत्रित किए जा रहे डाटा का कोई दुरुपयोग नहीं होगा। उल्लेखनीय है कि पंजाब पुलिस ने शिविर लगाने जा रहे 50 से अधिक भाजपा नेताओं को हिरासत में ले लिया था जिसके विरोध में भाजपा ने पंजाब भर में प्रदर्शन भी किया था। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा था कि पंजाब सरकार के विरोध के बावजूद बीबीएमबी ने बांधों पर सीआईएसएफ की सुरक्षा लगा दी है। मैं खुद केंद्र सरकार के पास इस पर अपना विरोध जताऊंगा।

बहाल किए गए लाखों नीले कार्ड

इसी वर्ष जुलाई में आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा था कि जब हमारी सरकार बनी थी कुछ लोगों ने गड़बड़ करके लाखों नीले कार्ड कटवा दिए थे लेकिन अब सभी नीले कार्ड दोबारा जोड़ दिए गए हैं। जिन लोगों के कार्ड जुड़े हैं, उनके घर सरकार की ओर से एक चिट्ठी भेजी जाएगी और उसके बाद वो राशन ले सकेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि किसी को सरकारी दफ्तरों के चक्कर काटने की जरूरत नहीं है।

सभी जिलों में विधायकों की ड्यूटी लगी

विवाद को बढ़ता देख आम आदमी पार्टी ने एक और दांव खेला है। सभी जिलों में विधायकों की ड्यूटी लगाई है कि वे केंद्र की मंशा को लोगों तक पहुंचाएं। इसी कड़ी में स्थानीय निकाय मंत्री डॉ. रवजोत सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर केंद्र सरकार पर 8 लाख लोगों के राशन कार्ड काटने की साजिश रचने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि वह लड़ाई लड़ेंगे और किसी भी हालत में केंद्र की साजिश कामयाब नहीं होने देंगे। इसलिए सड़क पर उतरना पड़े तो जरूर उतरेंगे। कानून का सहारा भी लेंगे। स्पष्ट है कि आने वाले समय में यह विवाद और बढ़ने वाला है। 2022 में होशियारपुर में एक व्यक्ति मर्सिडीज कार से आटा-दाल लेने पहुंच गया था। यह वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुआ था। इससे पंजाब सरकार का काफी मजाक उड़ा था। तब सरकार ने कहा था कि ऐसे सभी संपन्न परिवारों के नाम कटेंगे जिन्होंने यह नीले कार्ड बनवा रखे हैं। हालांकि डिपो होल्डरों के हाई कोर्ट में जाने से पंजाब सरकार की यह योजना सिरे नहीं चढ़ सकी।

शिअद और कांग्रेस दोनों रहे निशाने पर

शिरोमणि अकाली दल-भाजपा सरकार के कार्यकाल के दौरान द्वारा शुरू की गई नीले कार्ड की योजना शुरू से ही राजनीति का केंद्र रही है। विपक्ष हमेशा आरोप लगता रहा है कि शिअद ने अपने कार्यकाल में वोट बैंक के कारण अपने लोगों को इसका लाभ दिया। 2017 में भी कांग्रेस की सरकार आने के बाद नीले कार्ड धारकों की जांच हुई थी। चुनावी वर्ष में सत्तारूढ़ कांग्रेस ने जमकर नीले कार्ड बनाए थे। अब आप सरकार ने इसे रिव्यू करने का फैसला किया है।

राशन कार्ड काटने की बात सही नहीं : जाखड़

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रधान सुनील जाखड़ का कहना है कि राशन कार्ड बनवाने व राशन बांटने का काम राज्य सरकार का होता है। केंद्र सरकार सिर्फ राशन जारी करती है। 2023 में आप सरकार ने खुद एक सर्वे का हवाला देकर 10.50 लाख लाभार्थियों के राशन कार्ड काटने का फैसला लिया था लेकिन लोकसभा चुनाव पास आते ही इस फैसले को वापस ले लिया।

सीएम मान ने तमिलनाडु में बच्चों को बांटा पुष्टाहार

पंजाब के सीएम भगवंत मान ने तमिलनाडु में 'मुख्यमंत्री नाश्ता योजना' के तहत बच्चों को पौष्टिक आहार बांटे। इस अवसर पर चेन्नई में पत्रकारों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने लोक-हित से जुड़े इन क्षेत्रों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। उन्होंने कहा कि इन प्राथमिक क्षेत्रों को भारत की राजनीति के केंद्र में लाने का श्रेय आम आदमी पार्टी को जाता है, जिन्हें पहले नजरअंदाज किया जाता था। भगवंत सिंह मान ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन द्वारा लोगों की भलाई के लिए शुरू की गई विभिन्न पहलों की सराहना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह उनके लिए बहुत सम्मान और संतोष की बात है कि उन्हें तमिलनाडु सरकार द्वारा 'मुख्यमंत्री नाश्ता योजना' के विस्तार समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया। उन्होंने आगे कहा कि पंजाब सरकार देशभर में लागू की जा रही महत्वपूर्ण लोक-कल्याणकारी पहलों से सीखने और उन्हें अपनाने के लिए हमेशा तैयार रहती है। उन्होंने जोर देकर कहा कि तमिलनाडु और पंजाब के बीच एक मजबूत रिश्ता है और दोनों राज्यों की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर और इतिहास है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विविधता में एकता ही भारत की नींव है, जहां सांप्रदायिक सौहार्द, भाईचारे और आपसी मेल-जोल की भावनाएं गहराई से समाई हुई हैं। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार विभिन्न रंग-बिरंगे फूलों का गुलदस्ता सुंदर दिखाई देता है और सबका ध्यान आकर्षित करता है, उसी प्रकार विभिन्न संस्कृतियों, परंपराओं और एकता से भरा देश, एकता और ताकत का प्रतीक होता है। भगवंत सिंह मान ने उम्मीद जताई कि यह ऐतिहासिक दौरा तमिलनाडु और पंजाब के बीच संबंधों को और मजबूत करेगा और दोनों राज्यों के लिए प्रगति व समृद्धि के नए रास्ते खोलेगा।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

घोर निंदनीय, कौन होगा इन मौतों का जिम्मेदार!

हिमालय क्षेत्र इस समय भयानक तबाही के दौर से गुजर रहा है। जम्मू-कश्मीर के वैष्णव देवी यात्रा मार्ग पर भी भारी आपदा आई है। इस हादसे में चालीस से ज्यादा लोग काल के गाल में समा गए। उधर ऐसी चर्चा हो रही है कि मौसम विभाग ने पहले से भूस्खलन व भारी बारिश की चेतावनी दी थी। तो सवाल यह उठता है माता वैष्णव देवी श्राइन बोर्ड ने पहले से इंतजाम क्यों नहीं किए। राज्य सरकार ने बोर्ड पर हमला करते हुए कहा कि यात्रा रोकी क्यों नहीं गई। वाकई देखा जाए तो यह हादसा नहीं लापरवाही के कारण हुई हत्या है। अब सवाल यही उठता है इन मौतों का जिम्मेदार आखिर कौन है। बता दें उत्तराखंड से लेकर जम्मू-कश्मीर तक, नदियां उफान पर हैं, पहाड़ दरक रहे हैं और जिंदगियां दांव पर लगी हैं। ये आपदाएं और जानमाल का नुकसान गंभीर चेतावनी है। जम्मू में वैष्णो देवी धाम के पास हुए लैंडस्लाइड में मृतकों की संख्या 41 तक जा पहुंची है। यात्रा रोकनी पड़ी है और फंसे हुए यात्रियों को निकाल कर सुरक्षित घर पहुंचाने की कोशिश जारी है। जम्मू ने केवल 20 घंटों में ही 10 साल की सबसे ज्यादा बारिश देख ली।

राज्य के कई हिस्सों में कमोबेश ऐसे ही हालात हैं। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने ङ्क पर बताया कि भारी बारिश से आम जनजीवन प्रभावित हुआ है। इस मॉनसून सीजन में यह सीन बार-बार दिख रहा है। इसी महीने की शुरुआत में उत्तराखंड के धराली में बादल फटने के बाद आए फ्लैश फ्लड ने पूरे कस्बे को तबाह कर दिया। फिर चमोली के थराली में आफत बरसी। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में एक बार पहले भी, इसी 14 तारीख को बादल फटने से भारी तबाही मची थी। मचैल माता यात्रा के रास्ते पर आई प्राकृतिक आपदा की वजह से जन-धन की हानि हुई थी।इन घटनाओं पर गौर करें तो आपदाओं में जान गंवाने वालों में बड़ी तादाद पर्यटकों की रही। धराली, उत्तराखंड के चार धाम में से एक, गंगोत्री के रूट पर पड़ता है। इसी तरह वैष्णो देवी के दर्शन के लिए सालभर श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रहती है। ये हादसे सबक हैं कि पहाड़ी क्षेत्रों में मौजूद भीड़भाड़ वाले पर्यटन और धार्मिक क्षेत्रों में ऐसे इंतजाम करने की जरूरत है, जिससे किसी अनहोनी की सूरत में लोगों को तुरंत निकाला जा सके। प्राकृतिक आपदाओं को रोका नहीं जा सकता, लेकिन उनसे होने वाले नुकसान को कम किया जा सकता है। इसके लिए अर्ली वॉर्निंग सिस्टम को बेहतर करने की जरूरत है। बाढ़ और भूस्खलन के खतरे वाले इलाकों में लगातार निगरानी से खतरों की पूर्व सूचना मिल सकती है। मॉनसून के सीजन में पहाड़ों की यात्रा वैसे भी मुश्किल भरी हो जाती है, तो इस मौसम में यात्रियों की संख्या सीमित करने पर विचार किया जा सकता है।

“ वाकई देखा जाए तो यह हादसा नहीं लापरवाही के कारण हुई हत्या है। अब सवाल यही उठता है इन मौतों का जिम्मेदार आखिर कौन है। बता दें उत्तराखंड से लेकर जम्मू-कश्मीर तक, नदियां उफान पर हैं, पहाड़ दरक रहे हैं और जिंदगियां दांव पर लगी हैं। ये आपदाएं और जानमाल का नुकसान गंभीर चेतावनी है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

खेल ढांचों, कार्यप्रणाली में सुधार के हों बेहतर प्रावधान

डॉ. जगमती सांगवान

हाल ही में संसद ने राष्ट्रीय खेल बिल पास किया, जो राष्ट्रपति की स्वीकृति के बाद अब कानून बन चुका है। केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने इसे गत 23 जुलाई को लोकसभा में पेश किया था। इसका संदर्भ 2036 में देश में ओलंपिक आयोजन की मेजबानी पाने के लिए अपने खेल ढांचों को चुस्त-दुरुस्त व विनियमित करना बताया जा रहा है। इसमें राष्ट्रीय खेल बोर्ड का गठन, राष्ट्रीय न्यायाधिकरण का गठन, चुनाव की निगरानी तथा जनहित में केंद्र सरकार द्वारा किसी भी समय कोई भी फैसला लेने का हक अपने हाथ में लेना आदि प्रावधान किए गए हैं। निस्संदेह, हमारे खेल ढांचों, इनकी कार्यप्रणाली तथा खेल संचालन में अत्यधिक सुधारों की जरूरत थी, मगर शायद ही वर्तमान विधेयक इन उद्देश्यों की पूर्ति करे।

जहां बुनियादी तौर पर खेल जगत के शासन-प्रशासन में कई कमियां प्रतीत होती हैं वही ओलंपिक में हमारा खेल प्रदर्शन भी संतोषजनक नहीं है। बेहतर होता कि उस पहलू का संबोधन इस कानून में किया जाता। तय है कि सुविधाओं व संसाधनों के वर्तमान स्तर से तो मेडल टैली में सुधार की अपेक्षा नहीं की जा सकती। कम से कम जिन महत्वपूर्ण प्रगति उन्मुख बिंदुओं को पूर्व में नोट करते आ रहे थे, उनका संबोधन तो इस बिल के माध्यम से होना ही चाहिए था। उदाहरण के तौर पर रियो ओलंपिक में जब देश ने केवल दो मेडल जीते, उनका श्रेय महिलाओं को ही गया। पीवी सिंधु ने बैडमिंटन में सिल्वर तथा साक्षी मलिक ने कुश्ती में कांस्य जीता। तब प्रधानमंत्री ने स्वयं कहा था कि अब हम अपने 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' नारे में 'बेटी खिलाओ' भी जोड़ते हैं। उसके बाद भले उस नारे को भुला दिया गया हो, मगर बेटियां खेल में बेहतर प्रदर्शन जारी रखे हुए हैं। नारे पर कार्रवाई तो दूर की बात थी, जो हकीकत में बेटियों के साथ हुआ, उसको लेकर 2022-23 में जंतर-मंतर पर महिला खिलाड़ियों के आंदोलन का भी देश गवाह बना। खेल संचालन के जिम्मेदार पदों पर बैठे पदाधिकारियों के आचरण ने समाज व अभिभावकों के दिमाग में खेलों में बेटियों की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े कर दिए।

इससे निराशा ही फैली जिसे छांटने का यह सही मौका था। बेहतर होता यदि खेल शासन-नियमन में ग्लोबल स्तर पर महिलाओं को खेलों में हर स्तर पर समानता व सुरक्षा सुनिश्चित करने वाली वैधानिक व्यवस्थाओं को इस विधेयक का हिस्सा बनाते। ऐसा करके देश का मनोबल बढ़ाने वाला संकेत देना चाहिए

था। चीन, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, मेक्सिको, न्यूजीलैंड, रवांडा, स्वीडन आदि देशों ने खेलों के शासन व भागीदारी में महिलाओं के संदर्भ में समयबद्ध लक्ष्य तय किए हैं। उन्हें लागू करने के लिए उच्च स्तरीय व जवाबदेह समितियां बनाई गई हैं। अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं द्वारा इन लक्ष्यों को हासिल करने में आने वाली चुनौतियों को भी स्पष्टता के साथ चिन्हित किया गया है। जबकि हमारे कानून में मात्र दो पंक्तियां लिखकर पल्ला झाड़ लिया गया। ऐसे मौकों पर विश्वस्तरीय उदाहरणों का लाभ न लेना नीति निर्धारकों व जमीनी स्तर पर महसूस की जाने वाली जरूरतों में अलगाव ही इंगित करता है। हालांकि सभी खेल संघों को आरटीआई के दायरे में लाना अच्छा कदम है। लेकिन क्रिकेट को इस आधार पर बाहर रखना कि वह सरकार से आर्थिक ग्रांट नहीं लेते, हकीकत से परे लगता है। वे तमाम खेल संरचनाओं व संसाधनों का भरपूर प्रयोग करते हैं। बाकी खेल संघों की भी आर्थिक स्थिति बराबर नहीं है, तो क्रिकेट को विशेष दर्जा क्यों? उसे जवाबदेह व पारदर्शी क्यों नहीं बनाया जाए? संविधान की 7वीं सूची में खेल का विषय राज्यों के अधिकार क्षेत्र में आता है। परंतु हमेशा कोशिश रही है कि इन्हें केंद्रीय सूची में लाया जाए, वरना कम से कम समवर्ती सूची में तो ले ही आएं। मगर वर्ष 1975 से इस मुद्दे पर मुख्य राजनीतिक दलों में भिन्न मत रहे हैं। इसी वजह से 2001 में स्पोर्ट्स कोड बनाया गया। लेकिन ताजा सिलसिला खेल ढांचों पर केंद्रीय नियंत्रण सुनिश्चित करना इंगित करता है। बेहद शक्तिशाली राष्ट्रीय खेल बोर्ड व चुनाव पैनल का गठन संघीय ढांचे पर भी चोट है। इसके अलावा केंद्र सरकार ने जनहित के नाम पर किसी भी समय, किसी भी मुद्दे को अपने हाथ में लेने की शक्ति से भी स्वयं को लैस कर लिया है। इस बिल को नैतिकतापूर्ण व पारदर्शी शासन सुनिश्चित करने वाला कहा गया।

खेल जैसे मुद्दे की अहमियत को देखते हुए बिल संसदीय समिति के पास भेजा जाना चाहिए था। मगर अब जब 2036 ओलंपिक की मेजबानी का दावा पेश करना है, तो इस मौके पर खेलों को मुख्यधारा में ले जाने का लक्ष्य भी सूची में शामिल रहना चाहिए। इस एक्ट को और समावेशी व व्यापक बनाने के रास्ते लगभग बंद किए जा चुके हैं, तो ऐसे में राज्य सरकारों व खिलाड़ी समुदाय से ही उम्मीद बचती है। उन्हें अपने संवैधानिक अधिकार क्षेत्र को बचाने के लिए हस्तक्षेप की रणनीति बनानी चाहिए व ऊपर दिए गए पहलुओं को अपनी खेल नीतियों का हिस्सा बनाना चाहिए।

सोशल मीडिया उपदेशकों के संजाल से बेहाल

डॉ. संजय वर्मा

एक फिल्मी कहावत है कि ज्ञान जहां से भी मिले, लपेट लेना चाहिए। इस ज्ञान बांटू और बटोरू मानसिकता का अगर सबसे ज्यादा असर कहीं हुआ है, तो सोशल मीडिया उपदेशकों के क्षेत्र में हुआ है। खासतौर से सोशल मीडिया का कोई भी मंच और सीखने-सिखाने का कोई भी क्षेत्र ऐसा नहीं बचा है, जहां सैकड़ों-हजारों उपदेशकों की फौज मौजूद न हो। इनके पास शिक्षा देने की कोई डिग्री या विशद अनुभव है भी या नहीं- चूंकि इसकी जांच का कोई तरीका नहीं है। इसलिए सिर्फ प्रभावशाली उपदेश देकर बरास्ता सोशल मीडिया ये लोग शिक्षा, तकनीक, अध्यात्म से लेकर शेयर मार्केट तक में छाए हुए हैं। इसका नतीजा क्या है- यह बानगी हाल में कथित तौर पर देश के जाने माने फाइनेंशियर इन्फ्लूएंसर और ट्रेडिंग एडवाइजर अवधूत साठे की ट्रेनिंग एकेडमी पर शेयर बाजार नियामक संस्था सेबी के छापे और तलाशी-जब्ती अभियान से स्पष्ट होती है।

सेबी को अंदेशा है कि साठे की अकादमी के पाठ्यक्रमों के जरिए कम कीमत वाले (पेनी स्टॉक्स को बढ़ावा देने वाले ऑपरेटरों के साथ मिलकर खुदरा निवेशकों को गुमराह कर रहे हैं। यूट्यूब पर करीब एक लाख नियमित सब्सक्राइबर रखने वाले साठे को लेकर संदेह है कि अपने पाठ्यक्रमों से जुड़े सेमिनार और यूट्यूब चैनल के जरिए जिस तरह से वह खुद को बाजार का विशेषज्ञ बताकर और रातोरात करोड़ों रुपये कमाने का झांसा देते हैं, उसमें कुछ न कुछ झोल अवश्य है। सेबी को इसकी तमाम शिकायतें मिली हैं कि देश में फाइनेंशियल इन्फ्लूएंसरों की एक ऐसी फौज पैदा हो गई है, जो निवेशकों को शेयर बाजार की शिक्षा देते हुए गारंटिड रिटर्न का दावा करती है, जबकि ऐसे ज्यादातर लोग सेबी के नियमों के तहत यह शिक्षा देने के लिए पंजीकृत तक नहीं हैं। हालांकि उपदेशक होना बुरा नहीं है। हर दौर में देश और समाज को दिशा दिखाने और सही-गलत का फर्क बताने वाले विद्वानों, ऋषि-मुनियों, साधु-फकीरों की जमात की मौजूदगी रही है। ये उपदेशक बताते थे कि क्या और कैसे बोला जाए, आहार और दिनचर्या क्या हो, आदर-सम्मान के क्या तौर-तरीके हैं।

तभी मन का आपा न खोने वाली वाणी बोलने की सलाह देने वाले कबीरदास को संत की उपाधि दी गई। आज के संदर्भों में देखा जाए तो संत कबीर पुराने वक्त के इन्फ्लूएंसर थे। हाल की कुछ घटनाओं में उपदेशकों की भूमिका को संदिग्ध माना गया है। जैसे, साल के शुरू में सोशल मीडिया पर कुछ ऐसे वीडियो वायरल हुए थे कि जब मनाली से लेकर अयोध्या-काशी में पर्यटकों की फौज उमड़ी पड़ रही थी, तो उसी दौरान अपने मनोरम समुद्र तटों के लिए मशहूर गोवा के समुद्री किनारे (बीच), होटल आदि खाली पड़े थे। इन दावों को गोवा सरकार ने फर्जी बताते हुए झूठ परोसने के लिए सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसरों पर मानहानि का दावा ठोकने की बातें कही थीं। सरकार का दावा था कि कुछ सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर एक टूलकिट इस्तेमाल कर रहे हैं। इस टूलकिट के जरिए वे पर्यटकों को गोवा से मुंह मोड़कर दूसरी जगहों पर जाने की भ्रामक जानकारी दे रहे हैं।

एक अनुमान के मुताबिक हमारे ही देश में इस वक्त 40.6 लाख से ज्यादा सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर मौजूद हैं, जिनमें से 10 फीसदी हर महीने लाखों रुपये कमाते हैं। सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर इंस्टाग्राम, यूट्यूब, फेसबुक आदि तमाम मंचों पर हर किस्म का ज्ञान परोस रहे हैं। घुमक्कड़ी , खाना बनाने-पकाने, फैशन टिप्स से लेकर वीडियो के संपादन और शेयर बाजार के खिलाड़ी बनाने तक के गुर बताने वाले इन्फ्लूएंसर्स की संख्या भी लाखों में है। इनमें से सैकड़ों ऐसे भी हैं, जिनके शुभचिंतकों (फॉलोवर्स की संख्या भी लाखों-करोड़ों में है। इधर कुछ वर्षों से विभिन्न राजनीतिक दल जिस प्रकार खुद सोशल मीडिया का बढ़-चढ़कर इस्तेमाल करने से लेकर इन्फ्लूएंसर्स की सेवाएं भी लेने लगे हैं, उसका निष्कर्ष है कि इन सोशल मीडिया उपदेशकों का सही या गलत- कुछ प्रभाव तो होता ही है।लेकिन यहां सवाल है कि इन्हें सही करने या इन्हें रोकने-टोकने का जिम्मा आखिर किसका है। इसमें तो संदेह नहीं है कि सोशल मीडिया मंचों ने हर व्यक्ति को अपनी बात खुलकर कहने का अवसर देकर नागरिकों को सशक्त बनाया है। मुसीबत तब शुरू हुई जब एक तरफ सोशल मीडिया कंपनियों ने यह फैसला अपने हाथ में ले लिया कि लोग ऑनलाइन क्या देखें और क्या नहीं।

दूसरी तरफ, इनके विभिन्नों मंचों पर अधकचरी जानकारी के साथ आने वाले उपदेशकों ने हर क्षेत्र में हाथ आजमाने की कोशिश की। इनमें से ज्यादातर के पास न तो संबंधित ज्ञान परोसने की कोई डिग्री है और न ही ऐसा विशद अनुभव, जिसके आधार पर उन्हें विद्वान माना जा सके। लेकिन कहने की शैली और डिजिटल प्रबंधों के बल पर ये कोई भी बात इस तरह पेश करते हैं कि आम लोग बड़ी आसानी से इनके प्रभाव में आ जाते हैं। समस्या का एक छोर यह है कि ये इन्फ्लूएंसर अपनी लोकप्रियता का फायदा उठाकर लोगों को घटिया या फर्जी उत्पाद खरीदने को प्रेरित करते हैं। इंग्लैंड की पोर्ट्समाउथ यूनिवर्सिटी ने एक शोध में बताया कि इन्फ्लूएंसर की सलाह पर 16-60 साल की उम्र के बीच करीब 22 फीसदी उपभोक्ताओं ने ऐसे नकली उत्पाद खरीद लिए, जिन्हें इन्फ्लूएंसर्स ने प्रमोट किया था। हालांकि एक्स (ट्विटर), फेसबुक, व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम आदि ने फेक (नकली) अकाउंट की पहचान करने और उन्हें ब्लॉक करने जैसे उपायों को लागू किया है, लेकिन यह रोकथाम बहुत असरदार नहीं रही है।

खरबूजे के बीज से बनाएं सब्जी की शाही ग्रेवी

तरबूज और खरबूजे के सेवन से शरीर को काफी फायदेमंद होता है। जबकि तरबूज के बीज को फेंक दिये जाते हैं, पर खरबूजे के बीजों का इस्तेमाल कई तरहें से किया जा सकता है। लोग इन्हें सुखाकर मेवे के रूप में इस्तेमाल करते हैं। ये बीज शरीर के लिए काफी लाभदायक होते हैं। लेकिन इन्हीं बीजों का इस्तेमाल किसी भी सब्जी की ग्रेवी को शाही बनाने में भी किया जा सकता है। ये सुनने में अजीब लगता है लेकिन ये सच है। आप शाही सब्जी बनाने के लिए काजू की जगह खरबूजे के बीजों का इस्तेमाल कर सकते हैं।

सामान

खरबूजे के सूखे बीज- 2 बड़े चम्मच, प्याज- 1 मध्यम (कटे हुए), अदरक-लहसुन का पेस्ट- 1 छोटा चम्मच, हरी मिर्च- 1, टमाटर- 1 मध्यम, दही- 2 बड़े चम्मच, तेल या घी- 2 बड़े चम्मच, हल्दी, धनिया पाउडर, गरम मसाला, नमक, कसूरी मेथी- 1 चुटकी।

विधि

यदि आप शाही सब्जी की ग्रेवी में काजू की जगह खरबूजे के बीजों का इस्तेमाल करेंगे तो इससे भी सब्जी का टेस्ट काफी अच्छा आएगा। कोई इसमें फर्क नहीं बता सकता। खरबूजों के बीज से ग्रेवी तैयार करने के लिए सबसे पहले तो छिले हुए खरबूजे के बीजों को 10-15 मिनट पानी में भिगो दें। फिर इसे मिक्सी के सबसे छोटे जार में डालकर इसका पेस्ट बना लें। पीसने के लिए इसमें पानी काफी कम ही डालें, वरना पेस्ट पतला हो जाएगा। अब बारी आती है मसाला तैयार करने की तो सबसे पहले एक कढ़ाई में थोड़ा सा तेल लेकर गरम करें। जब ये गरम हो जाए तो इसमें प्याज डालकर उसे सुनहरा होने तक भूनें। जब ये भुन जाए तो उसी कढ़ाई में अदरक-लहसुन का पेस्ट और बारीक कटी हरी मिर्च डालें। मसाला भूनने के बाद बारी आती है टमाटर और अन्य मसाले डालने की। सभी चीजों को एक दम मैश करके मिला दें जब इसमें तेल छूटने लगे तो धीमी आंच पर दही डालें और इसे लगातार चलाते रहें। सबसे आखिर में अब खरबूजे के बीजों का पेस्ट इस मसाले में डालना है। इसे डालकर 4 से 5 मिनट तक गैस को धीमा करके पकाएं। जब ये पक जाए तो आखिर में कसूरी मेथी डालकर और गरम मसाला डालकर थोड़ा उबाल आने दें। बस ये ग्रेवी तैयार है।

हंसना मना है

संडे को होली खेलते समय पप्पू से उसके दोस्त गप्पू ने पूछा-यार, आज तो संडे है, फिर आज क्यों होली खेल रहा है, पप्पू - कल ही मैनें डिक्शनरी में पढ़ा है, संडे का मतबल होलीडे होता है।

एक बिहारी को यमलोक ले जाते समय यमराज बोले-वत्स! तुम कहां जाना चाहते हो...स्वर्ग जाओगे या नर्क? बिहारी ने यमराज से कहा- मोबाइल और चार्जर तो लेना ही भूल गया... दोनों की व्यवस्था करा दो, फिर, किसी भी खोपचे में रह लूंगा...

एक भाई ने चिड़िया घर खोला और प्रवेश शुल्क 50 रूपये रखा, कोई नहीं आया, उसने शुल्क घटा कर 20 रूपये कर दिया, फिर भी कोई नहीं आया, फिर 10 फिर 5 लेकिन आया कोई नहीं, अंत में प्रवेश मुफ्त कर दिया, भीड़ उमड़ पड़ी, ठसाठस, तभी भाई ने शेर का पिंजरा खोल दिया और बाहर जाने का शुल्क रखा 200 रूपये।

कहानी - पत्थर की कीमत

पत्थर की कीमतपत्थर की कीमतएक हीरा व्यापारी था जो हीरे का बहुत बड़ा विशेषज्ञ माना जाता था, किन्तु गंभीर बीमारी के चलते अल्प आयु में ही उसकी मृत्यु हो गयी। अपने पीछे वह अपनी पत्नी और बेटा छोड़ गया। जब बेटा बड़ा हुआ तो उसकी मां ने कहा-बेटा, मरने से पहले तुम्हारे पिताजी ये पत्थर छोड़ गए थे, तुम इसे लेकर बाज़ार जाओ और इसकी कीमत का पता लगा, ध्यान रहे कि तुम्हे केवल कीमत पता करनी है, इसे बेचना नहीं है। युवक पत्थर लेकर निकला, सबसे पहले उसे एक सब्जी बेचने वाली महिला मिली। अम्मा, तुम इस पत्थर के बदले मुझे क्या दे सकती हो? युवक ने पूछा। देना ही है तो दो गाजरों के बदले मुझे ये दे दोज तौलने के काम आएगा। सब्जी वाली बोली। युवक आगे बढ़ गया। इस बार वो एक दुकानदार के पास गया और उससे पत्थर की कीमत जानना चाही। दुकानदार बोला-इसके बदले मैं अधिक से अधिक 500 रूपये दे सकता हूं देना हो तो दो नहीं तो आगे बढ़ जाओ। युवक इस बार एक सुनार के पास गया। सुनार ने पत्थर के बदले 20 हज़ार देने की बात की। फिर वह हीरे की एक प्रतिष्ठित दुकान पर गया वहां उसे पत्थर के बदले 1 लाख रूपये का प्रस्ताव मिला और अंत में युवक शहर के सबसे बड़े हीरा विशेषज्ञ के पास पहुंचा और बोला-श्रीमान, कृपया इस पत्थर की कीमत बताने का कष्ट करें। विशेषज्ञ ने ध्यान से पत्थर का निरीक्षण किया और आश्चर्य से युवक की तरफ देखते हुए बोला-यह तो एक अमूल्य हीरा है, करोड़ों रूपये देकर भी ऐसा हीरा मिलना मुश्किल है। मित्रों, यदि हम गहराई से सोचें तो ऐसा ही मूल्यवान हमारा मानव जीवन भी है। यह अलग बात है कि हममें से बहुत से लोग इसकी कीमत नहीं जानते और सब्जी बेचने वाली महिला की तरह इसे मामूली समझा तुच्छ कामो में लगा देते हैं। आइये हम प्रार्थना करें कि ईश्वर हमें इस मूल्यवान जीवन को समझने की सद्बुद्धि दे और हम हीरे के विशेषज्ञ की तरह इस जीवन का मूल्य आंक सकें।

7 अंतर खोजें

फटे दूध से बनाएं तीन लजीज पकवान

गर्मी के मौसम में अक्सर दूध फट जाता है। ऐसे में सबसे बड़ी समस्या ये आती है कि इस दूध का क्या करें। हर किसी को इसका इस्तेमाल करने का सही तरीका नहीं पता होता है। ऐसे में आप ऐसे पकवानों को बना सकते हैं, जिसमें फटे हुए दूध का इस्तेमाल होता है। फटे हुए दूध से तीन पकवान बनाना काफी आसान है। तो आप भी इन तीन पकवानों को बना सकते हैं, ताकि आप भी फटे हुए दूध का इस्तेमाल सही तरह से कर सकें।

उंगलियां चाटते रह जाएंगे घर के लोग

छेना बनाने का सामान

फटे दूध का छेना- 1 कप, चीनी- 1 कप, पानी- 3 कप, इलायची पाउडर।

विधि

छेना बनाने के लिए फटे हुए दूध तो छानें और इसे एक प्लेट में निकालकर अच्छी तरह से मैश कर लें। पूरी तरह से मैश करने के बाद इसके छोटे-छोटे गोले बना लें। इसके बाद एक बर्तन में पानी, इलायची पाउडर और चीनी डालकर चाशनी तैयार करें। चाशनी तैयार होने के बाद इस बर्तन में तैयार छेना डालें। अब इसे कम से कम आधा घंटा ऐसे ही रखे रहने दें। अब इसे फ्रिज में रख दें और ठंडा-ठंडा ही परोसें।

पनीर पराठा बनाने का सामग्री

फटा दूध से बना पनीर- 1 कप, गेहूं का आटा- 2 कप, हरी मिर्च, अदरक, धनिया, नमक, मिर्च - स्वादानुसार, घी या तेल - सेंकने के लिए।

विधि

यदि दूध फट गया है तो पहले तो उसे छानकर उसका पनीर बना लें। घर पर तैयार इस फ्रेश पनीर को पहले तो कद्दूकस कर लें। इसके बाद इसमें एकदम बारीक कटा हरा धनिया, हरी मिर्च और कद्दूकस की हुई अदरक डालें। सभी चीजों को मिक्स करने के बाद सभी मसाने में इसमें डालकर स्टफिंग तैयार कर लें। अब गेंहू के आटे को गूंथकर उसकी लोई बनाएं। अब लोई में स्टफिंग भरें और पराठा तैयार करें। अब तवे पर घी लगाकर इसे दोनों साइड से कुरकुरा सेकें। इसे आप अचार और दही के साथ परोस सकते हैं।

छेना खीर बनाने का सामान

छेना- 1 कप, दूध- 1 लीटर, चीनी- स्वादानुसार, केसर, इलायची, सूखे मेवे- कटे हुए।

विधि

छेना खीर बनाने के लिए सबसे पहले तो फटे हुए दूध से छेना तैयार करें। छेना जब तैयार हो जाए तो इसे साइड में रख दें और फिर दूध को गाढ़ा होने तक उबालें। उबालने के बाद जब दूध गाढ़ा हो जाए तो उसमें छेना डालकर कम से कम 10 मिनट तक पकाएं। इसके बाद इस गाढ़े दूध में ही चीनी, केसर, इलायची और मेवे डाल दें। और फिर जब ये ठंडा हो जाए तो इसे आप अपनों को खाने के लिए सर्व करें।

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष भाग्य का साथ रहेगा। नौकरी में अनुकूलता रहेगी। प्रसन्नता रहेगी। कुबुद्धि हावी रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। विवाद से दूर रहें। कुसंगति से बचें। निवेश शुभ रहेगा।

वृषभ शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड में सोच-समझकर हाथ डालें। जल्दबाजी न करें। समय अनुकूल है। यात्रा मनोरंजक रहेगी। विद्यार्थी वर्ग सफलता प्राप्त करेगा।

मिथुन व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। समय का अपव्यय होगा। दूर से दुःखद समाचार प्राप्त हो सकता है। विवाद से क्लेश होगा। काम में मन नहीं लगेगा। लेन-देन में जल्दबाजी न करें।

कर्क कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। शारीरिक कष्ट संभव है। परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। कोई ऐसा कार्य न करें जिससे कि नीचा देखना पड़े।

सिंह दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। घर में प्रतिष्ठित अतिथियों का आगमन हो सकता है। व्यय होगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे।

कन्या व्यावसायिक यात्रा से लाभ होगा। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। निवेशादि शुभ रहेंगे। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। किसी बड़ी समस्या का हल प्राप्त होगा।

तुला व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। शत्रु शांत रहेंगे। ऐश्वर्य पर खर्च होगा। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। पुराना रोग उभर सकता है।

वृश्चिक प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। शुभ समाचार मिल सकता है। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। मान-सम्मान मिलेगा।

धनु कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। कारोबारी नए अनुबंध हो सकते हैं, प्रयास करें। आय में वृद्धि होगी।

मकर धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन हो सकता है। पूजा-पाठ में मन लगेगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। प्रसन्नता रहेगी। यात्रा मनोनुकूल लाभ देगी। राजभय रहेगा।

कुम्भ कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। शारीरिक शिथिलता रहेगी। काम में मन नहीं लगेगा। किसी अपने का व्यवहार प्रतिकूल रहेगा। पार्टनरों से मतभेद हो सकते हैं।

मीन किसी वरिष्ठ व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। कारोबारी लाभ में वृद्धि होगी। नौकरी में शांति रहेगी। सहकर्मियों का साथ मिलेगा। धनार्जन होगा।

अल्फा में हुई ऋतिक रोशन की एंट्री आलिया भट्ट संग करेंगे एक्शन

आलिया भट्ट अपनी आने वाली फिल्म अल्फा को लेकर काफी चर्चा में हैं। यह पहला मौका है जब एक्ट्रेस को स्पाई थ्रिलर में देखा जाने वाला है। वॉर 2 के पोस्ट क्रेडिट सीन के बाद अल्फा की पहली झलक दर्शकों को देखने को मिल चुकी है। इसमें बॉबी देओल दिखाई दे रहे थे। आलिया भट्ट और बॉबी देओल जैसे सितारों को स्पाई ट्रेलर में काम करता हुआ देखने के लिए दर्शक एक्साइटेड हैं। अब इस फिल्म में एक सुपरस्टार की एंट्री होने की खबर सामने आई है। आपको जानकर हैरानी होगी लेकिन यह सितारा बॉक्स ऑफिस पर 466 करोड़ कमाने वाली ब्लॉकबस्टर दे चुका है।

अल्फा आदित्य चोपड़ा की एक फीमेल सेंट्रिक स्पाई थ्रिलर फिल्म है। वह अब तक एक था टाइगर, पठान और वॉर जैसी शानदार फिल्में दे चुके हैं। अब अल्फा भी ब्रह्मास्त्र यूनिवर्स का हिस्सा है, जिसे देखने के लिए फैंस काफी उत्सुक हैं।

पहले खबर सामने आ रही थी कि इस फिल्म में शाहरुख खान नजर आएंगे लेकिन अब ऋतिक रोशन गेस्ट कलाकार की भूमिका में दिखाई देंगे। बताया जा रहा है कि ऋतिक के अलावा एक और सुपरस्टार की फिल्म में एंट्री हुई है। फिल्म को लेकर जो जानकारी सामने आ रही है उसके मुताबिक आलिया भट्ट और शरवरी वाघ एक साथ डांस नंबर करती हुई भी नजर आएंगी। बॉबी देओल खलनायक की भूमिका निभाएंगे। अल्फा देखने के लिए फैंस की एक्साइटमेंट सातवें आसमान पर है। इसकी रिलीज डेट की बात करें तो यह 25 दिसंबर 2025 को सिनेमाघर में दस्तक देने वाली है। आलिया भट्ट, शरवरी वाघ, बॉबी देओल और ऋतिक इसके मुख्य कलाकार हैं।

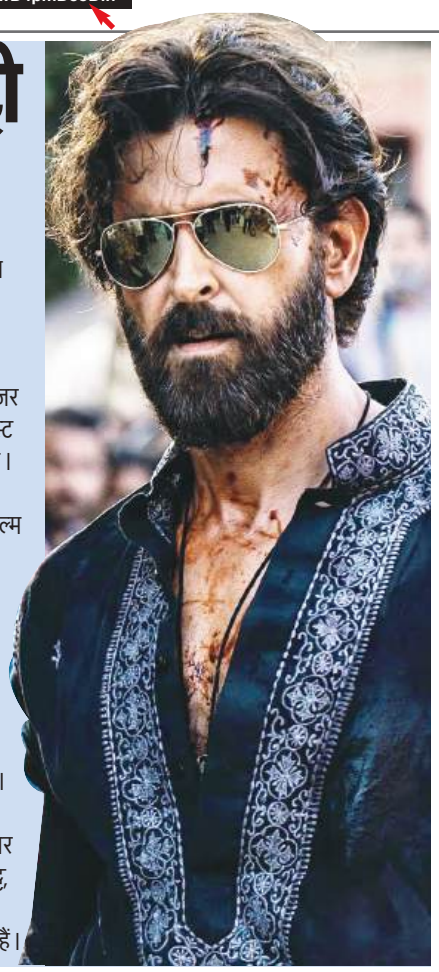

सोनाक्षी सिन्हा की 'जटाधरा' में हुई शिल्पा शिरोडकर की एंट्री

सोनाक्षी सिन्हा और सुधीर बाबू की मच अवेटेड फिल्म 'जटाधरा' का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। फिल्म का टीजर सामने आने के बाद इसको लेकर लोगों की उत्सुकता और भी बढ़ गई थी। अब फिल्म का नया पोस्टर सामने आया है, जिसमें फिल्म में एक नई एक्ट्रेस की एंट्री हुई है। जानिए कौन है वो नई एक्ट्रेस।

मेकर्स ने फिल्म 'जटाधरा' से अभिनेत्री शिल्पा शिरोडकर का लुक जारी कर दिया है। फिल्म में शिल्पा का स्वागत करते हुए मेकर्स ने उनके किरदार के बारे में भी जानकारी दी है। शिल्पा फिल्म में शोभा नाम का किरदार निभाएंगी। उनके किरदार में बारे में जानकारी देते हुए मेकर्स ने बताया कि 'वह सिर्फ लालच से प्रेरित नहीं है, बल्कि वह उसे परिभाषित भी करती है।'

मेकर्स की ओर से जारी किए गए पोस्टर में शिल्पा काली साड़ी पहने हवन कुंड में जलती हुई आग के पास बैठी हैं। इस दौरान वो आग की ओर चीखते हुए जीभ निकाले हुए हैं। उनके आस-पास कई सारे कंकालों की खोपड़ी भी नजर आ रही है। साथ ही पीछे कई दीए जल रहे हैं। उनके लुक को देखकर ऐसा लगता है कि वो कोई तंत्र या पूजा वगैरह कर रही है।

फिल्म जटाधरा एक पौराणिक थ्रिलर है, जिसमें भारतीय पौराणिक कथाओं को रोमांचक दृश्यों और डार्क फैंटेसी के साथ जोड़ा गया है। फिल्म के पोस्टर और टीजर में त्रिशूल, गरजते बादल, भगवान शिव के भक्त और सोनाक्षी सिन्हा का रोद्र रूप दिखाई दे रहा है, जो कहानी को और दमदार और प्रभावशाली बनाता है। जी स्टूडियोज और प्रेरणा अरोड़ा द्वारा निर्मित, वेंकट कल्याण और अभिषेक जायसवाल के निर्देशन में बनी इस फिल्म में शानदार ड्रामा देखने को मिल सकता है। अभी तक जटाधरा की रिलीज डेट सामने नहीं आई है। उम्मीद है कि यह फिल्म साल के आखिर में सिनेमाघरों में रिलीज हो सकती है।

बॉलीवुड | मन की बात

बिग बॉस से निकलने के बाद मुझे एक साल तक लेनी पड़ी थी थेरेपी : शमिता

शमिता शेट्टी ने करण जौहर द्वारा होस्ट किए गए बिग बॉस ओटीटी के पहले सीज़न में हिस्सा लिया था। वहीं अभिनेत्री ने हाल ही में एक इंटरव्यू में खुलासा किया कि इस शो ने उन्हें पहचान तो दिलाई, लेकिन उनकी मेंटल हेल्थ पर भी इसका असर पड़ा। शमिता ने बताया कि शो खत्म होने के बाद बिग बॉस के घर के अंदर के तनावपूर्ण माहौल ने उन्हें बेहद डिस्टर्ब कर दिया था, यहाँ तक कि उन्हें लगभग एक साल तक प्रोफेशनल थेरेपी की ज़रूरत पड़ी। दरअसल, शमिता ने पिंकविला को दिए इंटरव्यू के दौरान बताया, "लेकिन जब मैं बिग बॉस से बाहर आई, तो मुझे एक साल तक थेरेपी की ज़रूरत पड़ी क्योंकि मैं समझ नहीं पा रही थी कि मेरे आस-पास क्या हो रहा है या सही तरीके से कैसे रिएक्शन दूं। उन्होंने आगे बताया कि शो में रियलिटी और फिक्शन के बीच धुंधली रेखा ने उन्हें गहराई से प्रभावित किया। उन्होंने आगे कहा, मेरी रियलिटी और फिक्शन एक-दूसरे में घुल-मिल गई थीं, जिससे मेरे दिमाग में बहुत कंफ्यूजन पैदा हो रहा था। शमिता ने आगे खुलासा किया, देखिए, मैं बहुत ज़्यादा परेशान होकर बाहर आई थी। मैं पहले से ही एंग्जाइटी से जूझ रही थी, इसलिए इसने मेरे लिए सिचुएशन को और भी बदतर बना दिया। मुझे लगता है कि जब मैं बाहर आई तो मैं थोड़ी एग्रेसिव भी हो गई थी, और मुझे लगता है कि घर ने मेरे साथ ऐसा किया। क्योंकि मैं लगातार लड़ रही थी। अभिनेत्री ने बिग बॉस ओटीटी के घर के अंदर रोज़ाना होने वाले झगड़ों को याद करते हुए बताया कि कैसे मामूली बहस भी भारी पड़ जाती थी। शमिता ने कहा, कल्पना कीजिए, लगभग हर सुबह उठकर लोग टूथपेस्ट जैसी बेवकूफी भरी चीज़ों के लिए एक-दूसरे पर चिल्लाते हैं। यह अच्छा माहौल नहीं है। यह आपको मेंटली डिस्टर्ब करता है। चुनौतियों का सामना करने के बावजूद, शमिता अपने पेशेवर सफ़र में आगे बढ़ रही हैं। उन्हें आखिरी बार सुश्रुत जैन द्वारा निर्देशित द टेनेंट (2023) में देखा गया था, जहाँ उन्होंने एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

अजीब चोर : चोरी के 22 लाख में 11 हजार रुपये खाटूश्यामजी को हिस्से में चढ़ाया

जयपुर। राजस्थान की राजधानी जयपुर से चोरी का अजब-गजब मामला समाने आया है। यह चोरी न सिर्फ पुलिस बल्कि पूरे शहर को हैरत में डाल रहा है। करधनी थाना क्षेत्र के रावण गेट के पास एक घर से 22 लाख रुपये की चोरी हुई और इस घटना ने तब तूल पकड़ा जब गिरफ्तार आरोपी ने पूछताछ में जो खुलासा किया, वह किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं है। चोरी की मामले में भगवान को भी 'पार्टनर' बनाया गया और चोरी का माल शराब, स्मैक, महंगे कपड़ों और दोस्तों की दावत में गायब हो गया। गिरफ्तार युवक खुद को खाटूश्यामजी का भक्त बताता है। उसने पुलिस को बताया कि चोरी उसकी नहीं, बल्कि भगवान की इच्छा थी। उसका दावा है कि चोरी के 22 लाख रुपये में से 11 हजार रुपये उसने श्याम बाबा को चढ़ा दिए, क्योंकि उनका हिस्सा तो बनता था, आखिर उन्होंने ही तो रास्ता दिखाया था। यह बयान सुनकर पुलिस भी दंग रह गई और लोग इसे भक्ति की आड़ में अपराध का अनोखा उदाहरण मान रहे हैं। हालांकि कहानी यहीं खत्म नहीं होती, चोरी के बाद उसने 13 दिनों में 3 लाख रुपये सिर्फ शराब, स्मैक और दोस्तों को खिलाने-पिलाने में उड़ा दिए। रोजाना 30 हजार रुपये की स्मैक फूंकने और 40 हजार रुपये की कोल्ड ड्रिंक पीने का उसका रिकॉर्ड पुलिस के लिए भी हैरानी का सबब बना। इसके बाद शुरू हुआ पैसों का ऐशोआराम भरा सफर। गिरफ्तार युवक ने 2 लाख रुपये महंगे कपड़ों पर झोंक दिया। इसके अलावा 2 लाख रुपये अपने दोस्तों में बांट दिए। साथ ही एसी वाले लग्जरी कमरों में टीवी देखते हुए और पांच सितारा होटलों में मौज-मस्ती की। शराब और स्मैक की लत ने 22 लाख रुपये को महज चंद दिनों में ही उड़ा दिया। करधनी थाना पुलिस को वारदात के 15 दिन बाद CCTV फुटेज से सुराग मिला। इसके बाद पुलिस ने बिहार के आरा निवासी राजेश श्रीवास्तव और प्रयागराज निवासी रंजीत सिंह को हिरासत में लिया गया, जिसने चोरी की पूरी कहानी उगल दी। दोनों के पास हथियार और कैश भी बारामद हुआ है। दोनों हिस्ट्रीशीटर है और दोनों पर कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। उसने बताया कि वह और उसका साथी इस वारदात को अंजाम देने में शामिल थे। गिरफ्तार युवक ने पुलिस को बताया कि चोरी की योजना उसने अपनी प्रेरणा से बनाई थी, जो उसे भगवान से मिली। यह बयान पुलिस के लिए जांच का नया पहलू बन गया है। पुलिस ने इस मामले को लेकर यूपी में भी छापेमारी की। हालांकि पुलिस की सभावित ठिकानों पर अभी भी छापमारी जारी है।

अजब-गजब | चीन में इस तरह से उबले अंडे सेहत के लिए होते हैं फायदेमंद

यहां यूरिन में उबाले जाते हैं अंडे, फिर शौक से खाते हैं लोग

अंडा एक यूनिवर्सल फूड है, जिसे दुनियाभर के लोग बड़ी चाव से खाते हैं। अंडा चाहे उबला हो, भुर्जी हो या ऑमलेट, यह प्रोटीन से भरपूर होने के कारण सेहतमंद भी माना जाता है। इसमें उबले हुए अंडों को पसंद करने वाले ढेर सारे लोग हैं। आमतौर पर अंडों को तो पानी में ही उबाला जाता है, लेकिन दुनिया में एक देश ऐसा है, जहां पर इन अंडों को पेशाब में उबालकर लोगों को खाने के लिए दिया जाता है। हैरानी की बात यह है कि अंडों की सच्चाई जानने के बावजूद लोग शौक से इसे खाते हैं। इन्हें वर्जिन एग्स कहा जाता है, क्योंकि ये बच्चों के यूरिन में उबाले जाते हैं। यह चीन में बहुत पॉपुलर है। यहां के लोगों का मानना है कि इस तरह से उबाले गए अंडे सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं और इसे खाने वाले कभी बीमार नहीं पड़ते।

यह अनोखी डिश चीन के झेजियांग प्रांत के डोंगयांग शहर में बेहद मशहूर है, जिसे 'टोंग-त्जू-दान' यानी 'लड़के के पेशाब में उबले अंडे' कहा जाता है। इस डिश को बनाने के लिए छोटे लड़कों के पेशाब का इस्तेमाल किया जाता है। रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक, छोटे बच्चों के पेशाब को स्कूलों से इकट्ठा किया जाता है। इसके बाद आग पर पेशाब को गर्म किया जाता है और उसमें इन अंडों को दिन भर उबाला जाता है। उबालने के बाद अंडों के छिलकों को तोड़कर उन्हें फिर से उसी पेशाब में डुबोकर पकाया जाता है, ताकि पेशाब का स्वाद और पोषक तत्व अंडे के अंदर तक पहुंच सकें। वहां के लोग मानते हैं कि पेशाब में उबले अंडे खाने से कई तरह की बीमारियां दूर होती हैं। उनका मानना है कि यह शरीर से गर्मी को बाहर निकालता है और खून के संचार को बेहतर बनाता है। कई लोगों का तो यह भी दावा है कि इन अंडों से उन्हें थकान और कमजोरी महसूस नहीं होती।

हालांकि, पश्चिमी दुनिया और वैज्ञानिक समुदाय इस तरह के दावों को बिल्कुल नहीं मानते और इसे अस्वच्छ और स्वास्थ्य के लिए खतरनाक मानते हैं। लेकिन डोंगयांग शहर के लोगों के लिए यह सदियों पुरानी परंपरा का हिस्सा है और उनकी संस्कृति का एक महत्वपूर्ण अंग है। स्थानीय लोगों के लिए यह एक सामान्य और पारंपरिक भोजन है। स्ट्रीट फूड के तौर पर ये अंडे हर गली-चौराहे पर बिकते हैं और लोग इन्हें बड़े शौक से खाते हैं। जहां यह परंपरा चीन के एक छोटे हिस्से तक ही सीमित है, वहीं सोशल मीडिया पर इसके बारे में जानकर लोग अक्सर हैरान रह जाते हैं। यह डिश दुनिया के लिए एक अजीबोगरीब रहस्य हो सकती है, लेकिन डोंगयांग के निवासियों के लिए यह एक सेहतमंद खाना है, जिसे वे अपनी विरासत का हिस्सा मानते हैं।

नेशनल हेराल्ड केस पर आप-कांग्रेस में रार

केजरीवाल बोले- गांधी परिवार से कोई जेल नहीं गया

» दिल्ली में भाजपा की सरकार छह महीने में ही बेहाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के पूर्व सीएम केजरीवाल ने कहा कि नेशनल हेराल्ड के मामले में आजतक गांधी परिवार का कोई भी व्यक्ति जेल नहीं गया। 2014 का लोकसभा चुनाव जीजा जी के नाम पर लड़ा और जीता गया मगर उसपर भी कुछ नहीं किया गया। आजकल तो लोग कह रहे हैं कि कांग्रेस ने कॉम्प्रोमाइज कर रखा है। आम आदमी पार्टी कॉम्प्रोमाइज की राजनीति नहीं करती है। आगे कहा कि हाल ही में सौरभ भारद्वाज के घर पर छापा मारा। इस दौरान ईडी ने सौरभ भारद्वाज के ऊपर बयान बदलने का दबाव बनाया। ईडी वाले सौरभ भारद्वाज को गिरफ्तार की धमकी देने लगे। तब इन्होंने साफ कर दिया, मुझे गिरफ्तार करना है तो कर लो। ईडी ने परिवार को भी डराने की कोशिश की लेकिन कोई डरा नहीं।

केजरीवाल ने कहा कि भाजपा की सरकार छह महीने में ही बेहाल हो गई। दिल्ली में भाजपा की छह महीने से सरकार है और इन्होंने दिल्ली का बहुत बुरा हाल कर दिया है। अब दिल्लीवालों को भी एहसास हो गया कि आम आदमी पार्टी की सरकार कितनी अच्छी थी। दिल्ली में बिजली कटौती नहीं होती थी। लेकिन बीजेपी सरकार में बिजली का बुरा हाल है। निजी स्कूलों ने बेतहाशा फीस बढ़ा दी है। सड़कें टूटी पड़ी हैं, गरीबों के घर और रोजगार पर बुलडोजर चलाया जा रहा है। आगे पूर्व सीएम ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी ने एक आदमी के लिए पूरा देश गिरवी रख दिया है। अमेरिका ने हमारे देश के ऊपर 50 फीसदी का टैरिफ लगाया है और इस वजह से हमारे देश के नागरिकों, व्यापारियों और कंपनियों को बहुत नुकसान होगा। ट्रंप ने दुनिया के तमाम देशों पर टैरिफ लगाया और उन देशों ने जवाबी टैरिफ लगाया। इससे ट्रंप झुका लेकिन मोदी ट्रंप के आगे झुक गए। पीएम मोदी ने सिर्फ एक आदमी के लिए पूरे देश को गिरवी रख दिया। अब इनके गिने-चुने दिन रह गए हैं, इनका नाम काले अक्षरों से लिखा जाएगा।

मोदी ने पूरा देश गिरवी रख दिया

दूसरों के हाथों खेल रहे हैं केजरीवाल : देवेन्द्र यादव

अरविंद केजरीवाल के बयान पर दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव का जवाब आया है। उन्होंने कहा कि जब भी सीबीआई, ईडी या किसी अन्य जांच एजेंसी ने गांधी परिवार को बुलाया है, तब तक गांधी परिवार और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पूछताछ के लिए गए हैं। अरविंद केजरीवाल दूसरों के हाथों खेल रहे हैं। इसीलिए वे इस तरह के बयान देते हैं। देवेंद्र यादव ने आगे कहा कि ये वही व्यक्ति हैं जो चुनाव से ठीक पहले जेल से रिहा होते हैं। चाहे हरियाणा हो या दिल्ली। उनके खिलाफ इतने सारे मामले हैं, लेकिन आज कोई उन्हें जेल में डालने को तैयार नहीं है। हमें इस रवैये का खामियाजा भुगतना पड़ा है। हमें अपनी गलती का एहसास है। अरविंद केजरीवाल उस बड़ी साजिश का हिस्सा हैं जो भाजपा द्वारा खेली जा रही है।

झगड़ा बंद कर, मिलकर बड़ी लड़ाई लड़ें : सिब्बल

राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने अरविंद केजरीवाल द्वारा गांधी परिवार पर लगाए गए आरोपों को निराधार बताया। सिब्बल ने कहा कि उनसे झगड़ा बंद करने और मिलकर बड़ी लड़ाई लड़ने का आग्रह किया। सिब्बल का यह बयान केजरीवाल के उस दावे के जवाब में आया, जिसमें उन्होंने भाजपा और कांग्रेस के बीच सांठगांठ का आरोप लगाते हुए सवाल किया कि नेशनल हेराल्ड मामले में कांग्रेस के किसी बड़े नेता को गिरफ्तार क्यों नहीं किया गया। एक्स पर सिब्बल ने केजरीवाल पर निशाना साधते हुए कहा कि केजरीवाल जी जब आपने कई राजनेताओं और अन्य लोगों पर आरोप लगाए और आपको अदालत में घसीटा गया, तो आपने माफी मांगी थी। आज आपने गांधी परिवार पर निराधार आरोप लगाए। झगड़ा बंद करो। आइए, मिलकर बड़ी लड़ाई लड़ें।

पुरातन काल से है और हमेशा रहेगा इस्लाम : भागवत

» आरएसएस चीफ बोले - संघ किसी पर भी धार्मिक आधार पर हमला करने में विश्वास नहीं रखता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने हिंदू-मुस्लिम एकता पर जोर देते हुए कहा कि भारत में इस्लाम का हमेशा एक स्थान रहेगा। उन्होंने कहा कि हिंदू-मुसलमान एक ही हैं, उनकी सिर्फ पूजा पद्धति अलग हैं इसलिए उनके बीच एकता को लेकर कोई सवाल नहीं उठाना चाहिए। उन्होंने हिंदुओं और मुसलमानों के बीच आपसी विश्वास बनाए रखने की पुरजोर वकालत की।

भागवत आरएसएस के शताब्दी समारोह पर आयोजित एक कार्यक्रम में कहा, इस्लाम पुरातन काल से भारत में रहा है और आज तक कायम है और भविष्य में भी रहेगा। यह विचार कि इस्लाम नहीं रहेगा, हिंदू दर्शन नहीं है, हिंदू और मुसलमान दोनों को एक-दूसरे पर परस्पर विश्वास रखने की जरूरत है। उन्होंने यह भी कहा, सड़कों और जगहों का नाम 'आक्रांताओं' के नाम पर नहीं रखा जाना चाहिए। मैंने यह नहीं कहा कि मुस्लिम नाम नहीं होना चाहिए, एपीजे अब्दुल कलाम, अब्दुल हमीद का नाम वहां होना चाहिए। आरएसएस संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि संघ किसी पर भी, धार्मिक आधार पर हमला करने में विश्वास नहीं रखता है। केरल बाढ़ और गुजरात भूकंप जैसी आपदाओं में हमेशा सभी की मदद के लिए आगे आया है।

जनता का वोट हम चोरी नहीं होने देंगे: पटवारी

» मप्र में कांग्रेस का शक्ति प्रदर्शन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। राजधानी भोपाल में जिला कांग्रेस ने गुरुवार को रोशनपुरा चौराहे पर शक्ति प्रदर्शन किया। इस दौरान कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी और प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी भी मौजूद रहे। इस दौरान भोपाल जिला अध्यक्ष का आभार और सम्मान कार्यक्रम, वोटर अधिकार सत्याग्रह सभा तथा वोट चोर गद्दी छोड़ पैदल मार्च का आयोजन किया। जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। इस दौरान पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने कहा कि मध्य प्रदेश समेत देश भर में वोट चोरी की सरकार चल रही है। मध्य प्रदेश की सरकार चोरी की सरकार है। वोट जनता का अधिकार है हम उसे चोरी नहीं होने देंगे।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष (शहर) प्रवीण सक्सेना को पुन: जिम्मेदारी मिलने पर उन्होंने वरिष्ठ नेताओं एवं कार्यकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए संकल्प लिया। इस अवसर पर मध्यप्रदेश कांग्रेस प्रभारी हरीश चौधरी, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, सह प्रभारी संजय दत्त मुख्य रूप से उपस्थित रहे और उन्होंने कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन किया। आयोजन में बरसते हुए पानी के बावजूद बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता, महिलाएं एवं युवाओं की भीड़ देखी गई। सभा में वक्ताओं ने मतदाता सूची में हो रही गड़बड़ियों और लोकतांत्रिक प्रक्रिया से हो रहे खिलवाड़ का विरोध किया। इसके वोट चोर गद्दी छोड़पैदल मार्च निकाला गया, जिसमें नारों के साथ कांग्रेसजनों ने जनता के अधिकारों की रक्षा का संकल्प लिया।

वोट लोगों का एक भरोसा

जीतू पटवारी ने कहा लोकसभा में 35 से ज्यादा सीटें चोरी के वोटो से जीती गई हैं। उन्होंने कहा मध्य प्रदेश, हरियाणा और महाराष्ट्र की प्रदेश सरकार भी चोरी के वोट से बनाई गई है। वोट एक ही भरोसा होता है जो देश को बंध कर रखता है। वोट में लोगों को उम्मीद रहती है कि हमारा विधायक जीत रहा है, हमारा पार्षद जीत रहा है, तो हमारे क्षेत्र हमारे मोहल्ले में काम करेगा। हमारा नेता ऐसा हो जो हमारे पास आए हम उसको बोल कर उससे अपने क्षेत्र के विकास का काम कराएं। हमारे परिवार में कोई तकलीफ हो तो हमारा विधायक हमारे पास पहुंचे। ऐसे देश की रीति नीति बनती है,तो एक वोट भरोसा है।

काशी रुद्र ने फिर दिखाया रौद्र रूप

» यूपी टी-20 : नोएडा किंग्स से छीनी जीत

» नोएडा के सलामी बल्लेबाज सस्ते में सिमटे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। एक समय 169 रन का पीछा कर रही नोएडा सुपर किंग्स की हालत काशी रुद्र के खिलाफ बहुत खराब थी। मात्र 67 रन पर टीम के 6 विकेट गिर चुके थे। इसके बावजूद सातवें विकेट की पार्टनरशिप में कड़ा संघर्ष किया। 15 की एवरेज का पीछा करते हुए आखिरी ओवर में नोएडा को 27 रन की जरूरत थी। ऋषभ ने शानदार गेंदबाजी करते हुए अपनी टीम को जीत की दहलीज पार करवा दी।

पहले बल्लेबाजी करते हुए काशी रुद्र ने 169 रन का स्कोर बनाया। इसके जवाब में नोएडा सुपर किंग्स की टीम इकाना स्टेडियम में गुरुवार की देर रात 6 विकेट पर 154 रन ही बना सकी। प्रशांत वीर और करण शर्मा आखिर तक आउट नहीं हुए. इसके बावजूद अपनी टीम को जीत नहीं दिला सके। निर्धारित लक्ष्य का पीछा करने उतरी नोएडा किंग्स टीम की शुरुआत कुछ खास अच्छी नहीं रही। सलामी बल्लेबाज के लिए शिवम चौधरी और अनिवेश चौधरी उतरे। दोनों ही खिलाड़ी सस्ते में पवेलियन वापस चले गए। शिवम 20 रन और अनिवेश 12 रन बनाकर आउट हो गये। इसी तरह से अगले ज्यादातर बल्लेबाज एक एक के बाद एक आउट होते चले गए और मात्र 67 रन के स्कोर पर नोएडा के 6 विकेट गिर गये।

दबाव में आयी नोएडा सुपर किंग्स की टीम

उन्होंने चार ओवर में 39 रन देकर चार खिलाड़ियों को पवेलियन की राह दिखाई। काशी रुद्र की ओर से भारतीय क्रिकेट टीम में शामिल रहे शिवम मावी ने बेहतरीन बल्लेबाजी और गेंदबाजी का प्रदर्शन किया। मावी ने केवल 11 दिन में 28 रन बनाए और बाद में चार विकेट भी लिए. इससे पहले पहले बल्लेबाजी करते हुए काशी रूद्र ने 20 ओवर 6 विकेट खोकर 168 रन का स्कोर बनाया जो कि बहुत बड़ा नहीं था।

ओवैस अहमद ने 18 गेंद में 21 रन दो चौके और एक छक्के की मदद से शुभम चौबे ने 17 गेंद में 26 रन शिवम मावी ने 11 गेंद में 28 रन बनाते हुए टीम को 168 रन का स्कोर प्रदान किया। नोएडा सुपर किंग्स की ओर से कार्तिक त्यागी तीन ओवर में 25 रन दिए. नमन तिवारी ने तीन ओवर में 31 रन पर एक विकेट लिया प्रशांत वीर ने चार उम्र में 35 रन देकर कर दो विकेट लिए।

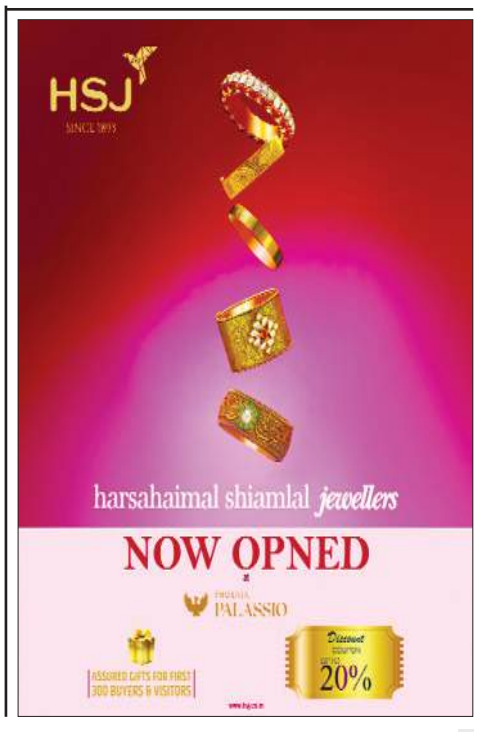

गांव की समूची आबादी को एक ही घर में दिखा दिया : राहुल गांधी

» एकबार फिर चुनाव आयोग पर बरसे नेता प्रतिपक्ष

» राजद व अन्य विपक्षी दलों ने भाजपा को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने निर्वाचन आयोग पर निशाना साधते हुए दावा किया कि बिहार की मतदाता सूची के मसौदे में गया जिले के ''एक पूरे गांव'' को एक ही घर में रहते हुए दिखाया गया है। बिहार में वोटर अधिकार यात्रा निकाल रहे राहुल गांधी ने अपनी पार्टी का एक सोशल मीडिया पोस्ट साझा किया, जिसमें कहा गया, निर्वाचन आयोग का जादू देखिए। एक पूरा गांव एक घर में बस गया है।

कांग्रेस के पोस्ट में कहा गया है कि गया जिले में बाराचट्टी विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत निदानी गांव में एक बूथ के सभी 947 मतदाताओं को मकान संख्या छह का निवासी दिखाया गया है। विपक्षी दल ने कहा, यह सिर्फ एक गांव की बात है। हम राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर अनियमितताओं के पैमाने की केवल कल्पना ही कर सकते हैं।

हालांकि, बिहार के मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय ने गया के जिलाधिकारी के 'एक्स' हैंडल पर जारी स्पष्टीकरण को प्रस्तुत किया। जिलाधिकारी ने दावा किया कि गांवों या झुग्गी बस्तियों में मकानों का काल्पनिक नंबर दिया जाता है, जहां मकानों पर कोई वास्तविक सीरियल नंबर नहीं होता। ऐसा मतदाताओं को सूचीबद्ध करने की प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए किया जाता है। जिलाधिकारी के 'एक्स' हैंडल पर गांव के निवासियों के कथित वीडियो क्लिप भी साझा किए गए हैं, जिनमें लोगों को यह कहते हुए सुना जा सकता है कि वे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण से संतुष्ट हैं, लेकिन क्षेत्र को बदनाम करने के प्रयासों से परेशान हैं। बता दें बिहार में 17 दिनों की मतदाता अधिकार यात्रा, जिसमें कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और राजद नेता तेजस्वी यादव शामिल हैं, का उद्देश्य मतदाता सूची में कथित अनियमितताओं के बारे में जागरूकता बढ़ाना है, जिसे विपक्षी नेताओं ने वोट चोरी का मामला करार दिया है। 20 ज़िलों में 1,300 किलोमीटर से ज़्यादा की यात्रा करते हुए, यह यात्रा 1 सितंबर को पटना में समाप्त होगी।

अपना समर्थन खो दिया है अब दूसरों पर आरोप लगा रहे हैं राहुल : अशोक चौधरी

बिहार के मंत्री अशोक चौधरी ने गुरुवार को कांग्रेस पार्टी पर मतदाता अधिकार यात्रा को लेकर सवाल उठाए और वोट चोरी के आरोपों के आधार पर सवाल उठाए। उन्होंने आगे कहा कि पार्टी की सच्चाई यह है कि उन्होंने अपना समर्थन खो दिया है और वोट बरकरार नहीं रख पा रहे हैं, यही वजह है कि वे वोट चोरी का दोष दूसरों पर मढ़ रहे हैं। चौधरी ने एएनआई को बताया कि यह वोट चोरी कैसी? अगर हम हर जगह सरकारें बनाते, तो यह समझ में आता। लेकिन अब वोट चोरी के आरोप किस आधार पर लग रहे हैं? विपक्ष पर वार करते हुए जदयू नेता ने कहा कि वे यह धारणा बनाने की कोशिश कर रहे हैं कि भाजपा जनता के वोटों के बजाय चुनाव आयोग की वजह से सरकार बना रही है

मतदाता अधिकार यात्रा पूरे राज्य के लिए एक ऐतिहासिक आंदोलन की शुरुआत : दीपांकर

इस बीच, भाकपा (माले) नेता दीपांकर भट्टाचार्य ने कहा कि मतदाता अधिकार यात्रा पूरे राज्य के लिए एक ऐतिहासिक आंदोलन की शुरुआत मात्र है और इसे जनता से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिल रही है। सीपीआई (एमएल) नेता ने बिहार में सत्तारूढ़ एनडीए सरकार पर हमला किया और आरोप लगाया कि उन्होंने राज्य की जनता के साथ दोहरा धोखा किया है। हमारी माँग है कि जिन लोगों के नाम (मतदाता सूची से) ग़लती से हटा दिए गए हैं, उनके नाम शामिल किए जाएँ, डबल इंजन वाली सरकार ने बिहार के साथ धोखा किया है, और इस धोखेबाज़ सरकार को सत्ता से हटाना ज़रूरी है, बदलाव लाना ज़रूरी है।

माहौल खराब ना करें : मायावती

» प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपशब्द कहने पर बसपा ने राहुल और तेजस्वी को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बिहार में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल की साझा रैली में राहुल गांधी एवं तेजस्वी यादव के मंच से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपशब्द कहे जाने पर प्रतिक्रियाओं का दौर जारी है। इसी क्रम में बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष और यूपी की पूर्व सीएम मायावती ने टिप्पणी की है। हालांकि अपनी टिप्पणी में मायावती ने न तो पीएम मोदी का जिक्र किया और न ही राहुल और तेजस्वी का नाम लिया।

सोशल मीडिया साइट एक्स पर मायावती ने लिखा- देश में ख़ासकर राजनैतिक स्वार्थ के कारण राजनीति का गिरता हुआ स्तर अति-दुखद एवं चिन्तनीय, इस सम्बंध में सभी पार्टियों की राजनीति, पार्टी के संविधान के हिसाब से विचार और सिद्धान्तों के आधार पर, देश व करोड़ों गरीबों व आमजन के हित में होनी चाहिये, जो कि ख़ासकर पिछले कुछ वर्षों से सही से देखने को नहीं मिल रहा है, जबकि इस दौरान देश के सामने विभिन्न प्रकार की आन्तरिक एवं बाहरी चुनौतियाँ काफी बढ़ी हैं। पूर्व सीएम ने लिखा कि इतना ही नहीं बल्कि देश के उच्च सरकारी व गैर-सरकारी संस्थाओं व विशेषकर राजनीति में उच्च पदों पर बैठे लोगों के बारे में जिस प्रकार की अभद्र, अशोभनीय, अमर्यादित व असंसदीय टिप्पणी आदि सार्वजनिक तौर पर करके उनकी व देश की छवि को भी धूमिल करने के जो प्रयास किये जा रहे हैं वह अति-दुखद व चिन्तनीय, ख़ासकर चुनाव के समय यह प्रक्रि या और भी अधिक विषैली व हिंसक हो जाती ह, इसी क्रम में अभी बिहार में भी जो कुछ देखने व सूनने को मिला है वह देश की चिन्ता को बढ़ाने वाला है।

उत्तराखंड में बादल फिर बना आफत, 8 की मौत

» चमोली-टिहरी-रुद्रप्रयाग में भारी नुकसान

» कई लोग लापता, पुल बहे गांवों में भरा पानी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग और चमोली जिलों में बादल फटने की घटना हुई, जिसमें कई परिवार मलबे में दब गए और कई घायल हो गए। आठ लोगों के मरने की खबर है। जबकि कई लोग अब भी लापता है। लोगों को रेसक्यू करने का काम जोरों पर जारी है। देवल के मोपाटा इलाके में, तारा सिंह और उनकी पत्नी नामक दो लोग लापता हो गए, जबकि विक्रम सिंह और उनकी पत्नी घायल हो गए।

इस घटना में उनका गौशाला भी ढह गया, जिससे लगभग 15 से 20 जानवर दब गए। कई जगहों पर बादल फटने का असर गंभीर रहा है। रुद्रप्रयाग जिले में, छह लोग लापता हो गए। अलकनंदा और मंदाकिनी नदियों के संगम पर जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। केदारनाथ घाटी के लावारा गाँव में, मोटर मार्ग पर बना एक पुल तेज़ धाराओं में बह गया। चेनगाड़ में भी स्थिति गंभीर हो गई है। नदी का पानी रिहायशी इलाकों में घुस गया है, जिससे प्रशासन को प्रभावित घरों को खाली कराना पड़ा है। रुद्रप्रयाग में हनुमान मंदिर जलमग्न हो गया है। उत्तराखंड के अनेक हिस्सों में हो रही मूसलाधार बारिश के बीच चमोली जिले में भूस्खलन की चपेट में आकर एक परिवार के दो सदस्य लापता हो गए, जबकि टिहरी के बूढ़ाकेदार क्षेत्र में बादल फटने से भारी नुकसान की सूचना है अधिकारियों ने बताया कि चमोली, रुद्रप्रयाग और टिहरी जिलों में कई स्थानों पर देर रात से लगातार मूसलाधार बारिश हो रही है। उन्होंने बताया कि चमोली जिले की थराली तहसील के देवाल विकास खंड के मोपाटा गांव में भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन की चपेट में कुछ मकान आ गए।

23 अगस्त को थराली में मची थी तबाही

गौरतलब है कि 23 अगस्त को भी थराली तहसील के थराली विकास खंड में आपदा का कहर देखने को मिला था जहां अतिवृष्टि से टूनरी गाड़ बरसाती नाले में बाढ़ के साथ आए मलबे में एक युवती की मृत्यु हो गयी थी और एक अन्य व्यक्ति लापता हो गया था। मलबा कई मकानों, दुकानों सहित तहसील कार्यालय में भी भर गया जबकि उपजिलाधिकारी का आवास भी क्षतिग्रस्त हो गया था। लगातार बारिश से अलकनंदा और उसकी सहायक नदियों और मंदाकिनी नदी का जल स्तर लगातार बढ़ रहा है।

गैंगरेप की घटना से दहला राजधानी का ग्रामीण इलाका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ के ग्रामीण इलाके में गैंगरेप की घटना सामने आई है। घर से निकली नाबालिग को सुनसान जगह पर जबरन गाड़ी में बिठाया और जंगल में ले जाकर गैंगरेप किया।

देर रात चार युवकों ने किशोरी को जंगल ले जाकर गैंगरेप किया । घर न पहुंचने पर ढूंढने पर पिता को बेसुध किशोरी मिली घर के पास जंगल में। किशोरी के पिता ने बख्शी का तालाब थाना में दर्ज कराया गैंगरेप का मुकदमा। पुलिस ने गैंगरेप की धारा में रिपोर्ट दर्ज कर आरोपियों की तलाश में जुट गई है। दो अज्ञात नामजद पर रिपोर्ट दर्ज कर लिया गया है। तलाश में जुटी है पुलिस।

राजस्थान : एसआई भर्ती रद्द होने के बाद क्रेडिट की लड़ाई

» किरोड़ी लाल व हनुमान भिड़े, जुबानी जंग से लेकर गाली-गलौज तक हुई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान में एसआई भर्ती रद्द होने के बाद क्रेडिट की लड़ाई शुरू हो गई। भर्ती रद्द होने के सवाल पर पर बहस के दौरान कैबिनेट मंत्री किरोड़ी लाल मीणा और आरएलपी सुप्रीमो तथा नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल के बीच जबरदस्त जुबानी जंग छिड़ गई। दोनों के बीच बात बढ़ते-बढ़ते गालीबाजी तक पहुंच गई।

किरोड़ी ने हनुमान को धमकी देते हुए कहा कि अगर तुम ज्यादा बोलोगे तो तुम्हारा नाम भी पेपर लीक में जुड़ जाएगा, इसलिए नागौर में ही नेतागिरी करो। इस पर हनुमान ने पलट कर कहा-आप राजस्थान के नेता कब से हो गए? आपका जमाना अब गया। दोनों के बीच करीब 3 मिनट तक तू-तू, मैं-मैं चली और बाद में एंकर को बीच बचाव में उतरना पड़ा। अब दोनों नेताओं के बीच हुई इस तू-तड़ाक का ऑडियो जबरदस्त तरीके से वायरल हो रहा है। किरोड़ी और हनुमान बेनीवाल कभी सियासी साझेदार थे।

शहर के कूड़े व गंदगी देख भड़के अपर नगर आयुक्त

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» सफाई व्यवस्था में लापरवाही उजागर

» लाखों रुपये का जुर्माना लगने के बाद भी नहीं जाग रही है कंपनियां

लखनऊ। लखनऊ नगर निगम जोन-6 अन्तर्गत अपर नगर आयुक्त डॉ अरविंद कुमार राव ने जोनल अधिकारी मनोज यादव के साथ कल्याण सिंह वार्ड का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण दल ने घण्टाघर से दुबग्गा, बुद्धेश्वर, मोहान रोड होते हुए तिकोनिया चौराहा पारा तक का भ्रमण किया। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि मुख्य मार्गों पर तैनात सफाई कर्मचारी अनुपस्थित थे।

डिवाइडर धूल से अटे हुए थे तथा पटरियों पर बड़ी-बड़ी घासें उग आई थीं। सड़कों पर जगह-जगह कूड़ा फैला था और मोहान रोड पर झाड़ियों का ढेर कई दिनों से पड़ा मिला। यह स्थिति दर्शाती है कि एलएसए संस्था द्वारा सफाई व्यवस्था व कूड़े के निस्तारण में उदासीनता बरती जा रही है। झाड़ू समय से न लगने और डिवाइडर पर स्वीपिंग मशीन का संचालन न होने से गंदगी का स्तर बढ़ा हुआ मिला। इस पर एलएसए के प्रो. हेड रंजन कुमार को तत्काल सुधार लाने, समय से कूड़ा उठान करने एवं झाड़ियों/कटिंग के ढेर का निस्तारण कराने हेतु कड़े निर्देश दिये गये। इसके अतिरिक्त निरीक्षण के दौरान आगरा एक्सप्रेस-वे स्थित कूड़ा अड्डे पर दो अवैध दुकानदारों द्वारा कब्जा पाया गया, जिसे तत्काल पुलिस बल बुलाकर हटवाया गया और अतिक्रमण ध्वस्त कराया गया। निरीक्षण के समय निवास (कलस्टर हेड, जोन-6), झिल्लू राम (अधिशाषी अभियन्ता, जोन-6), आलोक श्रीवास्तव (सहायक अभियन्ता, जोन-6) अखिलेश यादव (अवर अभियन्ता, जोन-6) अनुपस्थित पाए गए।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।